रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार

12 जून -2026

वर्ष 10, अंक 278

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

भारतीय एमटी क्रू वाले जहाज पर लगातार दूसरे दिन हमला, भारत ने कहा फौरन हमले रोकें

- ओमान के तट पर मौजूद था; होर्मुज में अमेरिकी हमले में 3 भारतीय मारे गए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ओमान के तट के पास गुरुवार को भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी जलवीर पर हमला हुआ है। हमले के बाद इस पर आग लग गई है। हमला किसने किया, इसकी जानकारी नहीं मिली है।
घटना के बाद भारतीय दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हालात पर

नजर रखे हुए हैं। इससे पहले होर्मुज स्ट्रेट के पास बुधवार को तेल टैंकर 'एमटी सेत्तेबेल्लो' पर हुए अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों के मौत की पुष्टि हो गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि अब तक दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। इसे लेकर अमेरिकी सेना ने कहा था कि सेत्तेबेल्लो ईरानी तेल ले जा रहा था। उसने चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके बाद उस पर हमला किया गया। यह इस हफ्ते दूसरा मामला है जिसमें भारतीय क्रू वाले जहाज पर अमेरिका ने अटैक किया है। इससे पहले सोमवार को अमेरिका ने तेल टैंकर द मैरिवेक्स पर हमला किया था। उस जहाज पर भी 24 भारतीय नाविक सवार थे और सभी को ओमान की सेना ने सुरक्षित बचा लिया था। भारत ने निंदा करते हुए कहा फौरन हमले रोके जाएं।

पहली बार भारतीय को सम्मान

अमेरिका में गूंजा भारत का नाम; मेजर प्रभात ने 91 देशों को पछाड़ जीते 2 शीर्ष सैन्य अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के मेजर प्रभात मिश्रा ने अमेरिकी सेना कमांड और जनरल स्टाफ कॉलेज (सीजीएससी) में दो शीर्ष शैक्षणिक अवॉर्ड जीते हैं। मेजर मिश्रा को उत्कृष्ट मास्टर ऑफ मिलिट्री आर्ट्स एंड साइंस थीसिस के लिए बिरर–

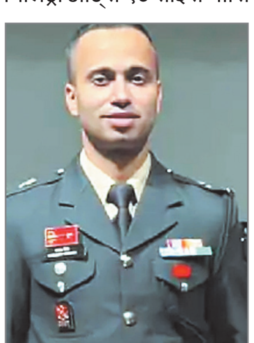

ब्रुक्स अवॉर्ड दिया गया है। वहीं, जनरल डगलस मैकआर्थर मिलिट्री लीडरशिप राइटिंग अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। 10 महीने के इस नेतृत्व कार्यक्रम में 92 देशों के अधिकारी शामिल हुए। इस वर्ष 951 को उपाधि मिली। अमेरिका का यह कॉलेज दुनिया के सबसे प्रमुख सैन्य शिक्षा संस्थानों में से एक है। 1894 से 170 देशों के 8,700 अफसर प्रशिक्षण ले चुके हैं। मेजर प्रभात मिश्रा को अमेरिका के कंसास स्थित फोर्ट लीवनवर्थ में यूएस आर्मी कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज के कमांड एंड जनरल स्टाफ ऑफिसर कोर्स के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें दो पुरस्कार मिले–

- बिरर–ब्रुक्स अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग मास्टर ऑफ मिलिट्री आर्ट्स एंड साइंस थीसिस
- जनरल डगलस मैकआर्थर मिलिट्री लीडरशिप राइटिंग अवॉर्ड

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

महिलाओं को होममेकर नहीं नेशन बिल्डर कहें

● वे परिवार की नींव मजबूत करती हैं, उनके काम की कीमत हर महीने रू. 30 हजार जितनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के परिवारों को मिलने वाले मुआवजे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर संभालने वाली महिलाओं को राष्ट्र निर्माता (नेशन बिल्डर) का दर्जा मिलना चाहिए। उनके काम की तुलना किसी पेशेवर से करके उनके योगदान को कम नहीं आंका जा सकता।

जस्टिस संजय करोल और न्यायाधीश एन कोटिस्वर सिंह की बेंच ने कहा कि किसी हादसे में गृहिणियों की मौत होने पर, उनके द्वारा की जाने वाली परिवार की देखभाल और घरेलू काम की कीमत कम से कम 30 हजार रुपए प्रति महीना (3.6 लाख रुपए सालाना) मानी जाएगी। यह रकम प्रणय सेठी मामले में तय अन्य सभी मुआवजा नियमों के अलावा होगी।

अब समझिए अब तक क्या थे नियम

सड़क हादसों के मामलों में अब तक देश की अदालतें और एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल किसी हादसे में जान गंवाने वाली गृहिणियों का मुआवजा तय करने के लिए एक काल्पनिक आय मानती थीं। इसके लिए राज्य के न्यूनतम वेतन को आधार बनाया जाता था, जो कि बहुत कम होता था।

सुप्रीम कोर्ट की 5 बातें, कहा- दावों पर फैसले एक साल में हों

- 'एक गृहिणी का काम केवल खाना बनाना, बच्चों की देखभाल और घर संभालना नहीं है। वह परिवार की नींव को मजबूत बनाती है, अगली पीढ़ी तैयार करती है। जब किसी दुर्घटना के कारण गृहिणी की मौत हो जाती है, तब उसका मुआवजा तय करते उसके योगदान का आकलन जरूरी है।
- 'गृहिणियों की आय का आकलन करते समय उनकी उम्र, एजुकेशन, स्किल, पारवारिक जिम्मेदारियां और आर्थिक हालात को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।'
- यदि किसी सड़क दुर्घटना में गृहिणी घायल हो जाती है या उसकी मौत हो जाती है, तो परिवार को केवल उसकी आय न होने के आधार पर कम मुआवजा नहीं दिया जा सकता।
- मुआवजा न तो किसी के लिए अचानक छप्परफाड़ लॉटरी जैसा होना चाहिए और न ही इतनी कम रकम होनी चाहिए कि पीड़ित का मजाक बने।
- सड़क दुर्घटना के दावों का निपटारा आमतौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए। अगर पीड़ितों को दशकों तक इंतजार करना पड़े, तो कानून का मकसद ही खत्म हो जाता है।
- सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से अपील की है कि वे खुद ऐसे मामलों की निगरानी करें और निर्देश जारी कर तय समय में मामलों का निपटारा सुनिश्चित कराएं।

झारखंड में क्राइम, विदेश से ऑपरेट कर रहे गैंगस्टर: अब इंटरपोल के जरिए कसेगा शिकंजा

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड प्रदेश/

झारखंड में बैठकर अपराध करने वाले गैंगस्टरों पर कार्रवाई के बाद अब पुलिस का शिकंजा उन अपराधियों पर कसने वाला है जो विदेश में छिपकर रंगदारी, धमकी और फायरिंग जैसी वारदातें करा रहे हैं। कुख्यात अपराधी मयंक सिंह की अजरबैजान से गिरफ्तारी के बाद सीआईडी ने विदेश में फरार अपराधियों की प्रोफाइल तैयार करना शुरू कर दिया है। इंटरपोल के जरिए इनकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

सभी जिलों से मांगी गई जानकारी –सीआईडी ने सभी एसएसपी और एसपी को पत्र भेजकर विदेश में फरार अपराधियों की पूरी जानकारी तय प्रारूप में मांगी है। इसमें अपराधी का नाम, पिता का नाम, पासपोर्ट नंबर, हाल की रंगीन तस्वीर, दर्ज मामलों की संख्या और फिंगरप्रिंट शामिल हैं। साथ ही अपराधी के वर्तमान देश की जानकारी भी देनी है। कई जिलों से प्रोफाइल सीआईडी मुख्यालय भेजी जा चुकी हैं।

चार श्रेणियों में बनेगी प्रोफाइल –अपराधियों को चार श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में आतंकवाद और संगठित अपराध, दूसरी में ड्रग्स तस्करी, तीसरी में आर्थिक अपराध और धोखाधड़ी, चौथी में साइबर क्राइम, मानव तस्करी और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े फरार आरोपी शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि इस वर्गीकरण से इंटरपोल को कार्रवाई में आसानी होगी।

मयंक की गिरफ्तारी से बढ़ी उम्मीद –मयंक सिंह लंबे समय से विदेश से रंगदारी का नेटवर्क चला रहा था। उसे अजरबैजान से गिरफ्तार कर भारत लाया गया। इसके बाद पुलिस को अन्य फरार अपराधियों को पकड़ने की उम्मीद जगी है। हालांकि अधिकारियों के अनुसार मयंक की गिरफ्तारी के बाद भी अंतरराष्ट्रीय नंबरों से रंगदारी और धमकी का सिलसिला पूरी तरह बंद नहीं हुआ है।विदेश से चल रहा रंगदारी का खेल जांच एजेंसियों के मुताबिक झारखंड के कई बड़े गैंग आज भी विदेश में बैठे लोगों के जरिए कारोबारियों को धमका रहे हैं। फोन कॉल, इंटरनेट कॉलिंग और सोशल मीडिया से रंगदारी मांगी जा रही है। प्रिंस खान और राहुल सिंह जैसे अपराधियों के नाम प्रमुखता से सामने आए हैं। प्रिंस खान के पाकिस्तान में होने की चर्चा भी रही है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अमन साव ने शुरू किया था ट्रेंड –पुलिस जांच में सामने आया कि विदेश से रंगदारी कॉल करवाने का तरीका सबसे पहले कुख्यात अमन साव ने अपनाया था। राज्य के भीतर से धमकी देने पर तकनीकी निगरानी का खतरा था, इसलिए उसने विदेश में बैठे लोगों को जोड़ा। वर्ष 2020 के आसपास अमन साव का संपर्क लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से हुआ। इसी दौरान मयंक सिंह को मलेशिया और दुबई में रहकर झारखंड के कारोबारियों को कॉल करने की जिम्मेदारी दी गई। बाद में दूसरे अपराधियों ने भी यह तरीका अपना लिया।

पुलिस के सामने चुनौती – अलग-अलग देशों के कानून, पहचान छिपाने के तरीके और तकनीक का इस्तेमाल जांच को जटिल बनाता है। इसके बावजूद पुलिस और सीआईडी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से इन अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सटीक प्रोफाइल बनने के बाद गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज होगी। इससे राज्य में रंगदारी और संगठित अपराध के नेटवर्क को कमजोर करने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस ने रिजल्ट पर रोक लगाने की मांग की थी

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कांग्रेस के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मामले की सुनवाई आज ही की जाए, क्योंकि नाम वापस लेने की आखिरी समय–सीमा आज दोपहर 3 बजे तक है। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उन्हें अभी तक याचिका की कॉपी नहीं मिली है, इसलिए जवाब देने के लिए समय चाहिए। सिंघवी ने जवाब में कहा कि अगर सुनवाई अगले दिन भी हो, तो तब तक चुनाव का नतीजा घोषित नहीं किया जाए। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून पहले से स्पष्ट है और याचिका को अगले दिन सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई टलने के बाद कांग्रेस ने फिर मांग की कि कोर्ट के फैसले तक चुनाव परिणाम घोषित न किए जाएं। कांग्रेस ने यह याचिका बुधवार और गुरुवार की रात 1:48 बजे ऑनलाइन दाखिल की थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन रद्द करने का फैसला गैरकानूनी, मनमाने और पक्षपातपूर्ण तरीके से लिया। कांग्रेस ने कोर्ट से इस फैसले को रद्द करने की मांग की है।

झारखंड को रोजगार का हब बनाएंगे : नीति आयोग बैठक में बोले सीएम हेमंत सोरेन

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता,मुख्य संपादक,नई दिल्ली/

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिनांक 11 जून 2026 को नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक में झारखंड के विकास की रूपरेखा रखी। उन्होंने कहा कि झारखंड को केवल खनिज राज्य के रूप में देखना ठीक नहीं। सरकार का लक्ष्य राज्य को विकास और रोजगार का केंद्र बनाना है ताकि प्राकृतिक संसाधनों का लाभ सीधे स्थानीय लोगों को मिले। सीएम ने जोर दिया कि राज्य से निकलने वाले खनिजों का अधिकतम उपयोग झारखंड में ही होना चाहिए। इससे नए उद्योग लगेंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने केंद्र से राज्य में शोध और नवाचार से जुड़े संस्थान स्थापित करने में सहयोग मांगा। टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी, लॉजिस्टिक्स और एग्रो फूड प्रोसेसिंग में निवेश की बड़ी संभावनाएं हैं। खनन में एआई जैसी तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया गया है, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। शिक्षा पर बात करते हुए सीएम ने कहा कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्र अब आईआईटी और मेडिकल कॉलेजों में जा रहे हैं। सरकार 5000 उत्कृष्ट विद्यालय बनाने पर काम कर रही है। साथ ही पीएम श्री विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय और एनसीईआरटी का क्षेत्रीय केंद्र खोलने की मांग रखी गई। रोजगार को लेकर उन्होंने बताया कि सारथी योजना से अब तक 6.76 लाख युवाओं को प्रशिक्षण मिला है। हर साल एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, ड्रोन और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जा रही है। 53 हजार महिलाओं को भी आधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित किया गया है। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में 38 हजार आंगनबाड़ी केंद्र चल रहे हैं। हालांकि 15 हजार केंद्रों के पास अपना भवन नहीं है।

गोड्डा में ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार, 5.70 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड प्रदेश/

झारखंड के गोड्डा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत गोड्डा नगर थाना पुलिस ने 11 जून 2026 को बड़ी कार्रवाई की। चपरासी टोला में छापामारी कर ब्राउन शुगर बेचते दो युवकों को रंगे हाथ पकड़ा गया। गुप्त सूचना के आधार पर अंचल अधिकारी हलधर सेठी के नेतृत्व में गठित टीम ने गुलजारबाग स्थित राहुल कुमार

साह के घर दबिश दी। मौके से राहुल कुमार साह और बिपीन सोनी को गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से सिल्वर पेपर में लिपटी 28 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसका कुल वजन 5.70 ग्राम है। गोड्डा नगर थाना में कांड संख्या-110/2026 दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मुख्य आरोपी राहुल कुमार साह पर पहले से चोरी, अपहरण और मारपीट समेत पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरे आरोपी बिपीन सोनी पर भी मारपीट और रंगदारी का मामला दर्ज है। छापामारी दल में थाना प्रभारी दिनेश कुमार महली, पु.अ.नि. अनुप साह, शशिकांत, अंकित कुमार झा समेत रिजर्व गार्ड शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

15 जून तक अन-मैप्ड मतदाता करा सकेंगें अपनी मैपिंग

वर्तमान में 78.60% मतदाताओं की हो गई है मैपिंग

▶▶ अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची प्रकाशित होने के उपरांत अबतक 14 लाख से अधिक मतदाताओं ने कराई अपनी मैपिंग

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के पूर्व मतदाताओं के मैपिंग की प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी। इसके उपरांत इन्यूमरेशन फॉर्म के छपाई एवं ट्रैनिंग के कार्य किए जाएंगे।

उन्हों बताया कि 23 मई से अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची सभी मतदान केंद्रों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के वेबसाईट पर सर्चेवल फॉर्मेट में प्रकाशित करने के उपरांत इस प्रक्रिया में तेजी आई है। वर्तमान में कुल 78.60% मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। अन-मैप्ड मतदाता अपने बीएलओ से संपर्क कर विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से अपनी मैपिंग करवा रहें है। वर्तमान में मैप्ड मतदाताओं की संख्या 2,08,06,211 है, अन-मैप्ड मतदाता सूची के प्रकाशन (23 मई) के उपरांत कुल 14,03,354 मतदाताओं की मैपिंग की गई है।

पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि अन-मैप्ड मतदाता ECINET के ऐप के 'Connect With Election Officials' टैब पर क्लिक कर अपने मतदाता पहचान पत्र का क्रमांक भरकर अपने बीएलओ का फोन नंबर प्राप्त कर सकते है। इसके साथ साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ऑफिशियल वेबसाईट ceo.jharkhand.gov.in पर जाकर अन-मैप्ड मतदाता सूची में अपने विवरण समर्पित करते हुए अपने मतदान केंद्र की अन-मैप्ड सूची एवं अपने बीएलओ का नाम एवं मोबाइल नंबर भी जान सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी अन-मैप्ड मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने सुविधानुसार अपने बीएलओ से संपर्क करें एवं मैपिंग की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है, गैर भारतीय नागरिक इस प्रक्रिया में भाग न लें।

बोकारो के बालीडीह थाना क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी की शिकायत

अन्नपूर्णा गुप्ता,मुख्य संपादक,नई दिल्ली/

झारखंड के बोकारो जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र के औद्योगिक इलाके में गांजा, चरस और हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी तथा खुलेआम बिक्री की गंभीर शिकायत की गई है। शिकायत में इस नेटवर्क का संबंध बिहार के सासाराम, झारखंड के जमशेदपुर तथा पश्चिम बंगाल के पुरुलिया क्षेत्र से बताया गया है। शिकायतकर्ताओं के प्रतिनिधि मंडल ने झारखंड के पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा से 11 जून 2026 को शिकायतकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा से मुलाकात का प्रयास किया। मुलाकात न हो पाने पर उन्होंने उनके कार्यालय में लिखित आवेदन सौंप दिया और उसकी रिसीविंग प्राप्त कर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

बोकारो में आयोजित नशा मुक्ति कार्यशाला में दिनांक 10 जून 2026 को डीडीसी शताब्दी मजूमदार एवं अन्य अधिकारीगण

को भी लिखित सूचना उनके कार्यालय में दिया अन्य अधिकारियों को भी सूचना देते दिखे थे। अब केंद्रीय नशीले पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो को भी सूचना दे दी गई है। शिकायत में विशेष जांच दल गठित कर पूरे नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि टीम द्वारा तैयार की गई गुप्त वीडियो रिकॉर्डिंग में एक व्यक्ति ने कहा कि दस जगहों पर रुपया देने के बाद यहां नशा बेचा जा रहा है।दूसरी ओर, 10 जून 2026 को बोकारो में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी की रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला विकास पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार ने युवाओं को नशे से बचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता और सामूहिक सहभागिता पर बल दिया। 10 से 25 जून 2026 तक जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान चलाया जाएगा तथा सरकार प्रचार-प्रसार पर लाखों रुपये खर्च कर रही है।किसान संग्राम समिति की युवा नेत्री सुश्री सोनिया कुमारी मुर्मू ने कहा कि थाना पुलिस को सूचना देने पर भी नशे के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है तथा सूचना देने वालों के नाम उजागर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के सत्र में विधायक यह प्रश्न पूछेंगे कि नशा मुक्ति अभियान में सरकार ने कितना धन खर्च किया गया और सूचना पर कितनी कार्रवाई की गई।

संक्षिप्त समाचार

पुनर्जीवित होकर रहेगी गढ़वा की सरस्वतिया, एसडीएम संजय कुमार की पहल पर 17वें दिन उमड़ा जनसैलाब

गढ़वा, एजेंसी। जब इरादे नेक हों और लक्ष्य समाजहित का हो, तब दूरियां और सीमाएं खुद-ब-खुद मिट जाती हैं। गढ़वा की लाइफलाइन मानी जाने वाली सरस्वतिया नदी को पुनर्जीवित करने के लिए सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार की पहल पर शुरू किया गया 'आपन सरस्वतिया' अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। लगातार 17वें दिन भी यह अभियान पूरे उत्साह और जनभागीदारी के साथ जारी रहा। प्रशासन और आम लोगों की साझी भागीदारी से चल रही इस मुहिम में हर दिन लोगों का कारवां बढ़ता जा रहा है। पिछले 17 दिनों से बिना रुके चल रहे इस अभियान ने यह साबित कर दिया है कि सरस्वतिया नदी को बचाने का संकल्प अब केवल प्रशासनिक पहल नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग की साझा जिम्मेदारी बन चुका है। लोगों की बढ़ती भागीदारी ने इस अभियान को एक बड़े सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान कर दिया है। इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी गूंज अब केवल गढ़वा सदर अनुमंडल तक सीमित नहीं रही। जिले के दूसरे अनुमंडल श्री बंशीधर नगर तक भी इसकी पहुंच हो चुकी है। वहां से आए लोगों ने अभियान में शामिल होकर यह संदेश दिया कि नदी संरक्षण अब पूरे जिले की सामूहिक चिंता और संकल्प बन चुका है।

चक्रधरपुर में महिला का कंकाल मिलने से हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय के बर्टन लेक क्षेत्र में बुधवार को एक अज्ञात महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। विकास काम के दौरान कंकाल मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के पुराने मालगोदाम के पास नए क्रू एंड गार्ड लॉबी भवन का निर्माण होना है। इसके लिए जमीन समतलीकरण का काम चल रहा था। खुदाई से निकली मिट्टी को ट्रकों से बर्टन लेक के बाउंड्री क्षेत्र के बाहर डंप किया जा रहा था। बुधवार दोपहर एक ट्रक से मिट्टी खाली करने के दौरान ब्लू प्लास्टिक में लिपटा कंकालनुमा शव दिखा। शव पूरी तरह सड़ा-गला था। खोपड़ी मिट्टी के बाहर पड़ी थी। खोपड़ी में लंबे बाल होने से आशंका है कि कंकाल किसी महिला का है। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक अनुमान है कि खुदाई के दौरान मिट्टी के साथ कंकाल भी ट्रक में लोड हो गया और डंप करते समय बाहर आ गया। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कंकाल की पहचान, उसकी उम्र और मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। फिलहाल पूरे मामले पर रहस्य बना हुआ है। पुलिस और रेलवे प्रशासन की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस सनसनीखेज मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी। इस मामले को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

सरायकेला खरसावां जिला फुटबॉल लीग 2026 का शुभारंभ 1 जुलाई से

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला खरसावां जिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित जिला फुटबॉल लीग 2026, 1 जुलाई से शुरू होगा। यह प्रतियोगिता बिरसा मुंडा स्टेडियम सरायकेला और अर्जुना स्टेडियम खरसावां में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए डीएसए की एक बैठक अर्जुना स्टेडियम खरसावां में आयोजित की गई। वरीय उपाध्यक्ष उमेश कुमार सिंहदेव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक मे इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकृत 25 टीमों को 5 ग्रुप में बांटा गया। ग्रुप ए और ग्रुप बी की 10 टीमों का मुकाबला बिरसा स्टेडियम सरायकेला में होगा जबकि अन्य 15 टीमें अर्जुना स्टेडियम खरसावां में खेलेंगी। खरसावां में आयोजित इस बैठक में बीएसए सचिव मोहम्मद दिलदार, पिनाकी रंजन, बलराम महतो, संजय सुंडी, वीरेन पाल, संतोष महतो विजय दिग्गी, बसंत गणतायत, समीर महतो सहित सभी टीमों के सचिव, अध्यक्ष, रेफरी और डीएसए के सदस्य मौजूद थे। बिरसा मुंडा स्टेडियम, सरायकेला में डी पी एस हाथीटांड़, ट्रिपल ए हरिहरपुर, गॉड फादर एफ सी खूंटपानी, आर्यन पॉवर ईचागढ़, एवरेस्ट क्लब मुंडाटांड, वाई बी एफ सी राजनगर, ए भी पी टेंगाडीह नीमडीह, सुमित स्पोर्टिंग सीनी, एन एस सी बुरुडीह और एम एल सी भेलाईडीह टीम शामिल हैं। अर्जुना स्टेडियम खरसावां में सेरेगदा एफ सी, ग्रीन एरिया एफ सी दलभंगा, बिरसा मुंडा क्लब दोलानडीह, आर एफ टी सी खरसावां, यूथ क्लब खामार डीह, तूड़ीयान एफ सी, अर्बन सिटी सीतारामपुर, डी के एम सी नारायणबेड़ा, एंजेल एफ सी छोटा सरगीडीह, डी पी एफ सी खरसावां, एस एफ सी मातकमडीह, एस एम सी प्रधानगोड़ा, क्रिस 11 जोजोडीह, रीडिंग एफ सी और दीनबंधु फुटबॉल क्लब चक्रधरपुर टीम शामिल हैं।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक शुरू,

सीएम हेमंत सोरेन भी हुए शामिल

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 11वीं बैठक शुरू हो गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बैठक में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे और परिषद की कार्यवाही में शामिल हुए। देश के समग्र विकास और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आयोजित इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है।

बैठक को लेकर झारखंड में भी काफी उम्मीदें जताई जा रही हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राज्य में मेट्रो रेल परियोजना शुरू करने की मांग रख सकते हैं। लंबे समय से रांची समेत अन्य प्रमुख शहरों में मेट्रो रेल सेवा की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ऐसे में नीति आयोग की बैठक के दौरान राज्य के बुनियादी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाए जाने की संभावना है।

बैठक शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना से प्रेरित होकर केंद्र और राज्य मिलकर भारत की विकास यात्रा को नई गति देने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों के सामूहिक प्रयास ही

'विकसित भारत' के साझा संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बार की बैठक में 'समावेशी मानव विकास ढांचा' पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। इसके तहत चार प्रमुख स्तंभों पर विचार किया जाएगा। इनमें बुनियादी मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल का विकास, उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास, स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र कल्याण तथा सभी नागरिकों के लिए समानता और गरिमा सुनिश्चित करना शामिल है।

बैठक के दौरान देशभर में उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मजबूत बनाने और टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करने के उपायों पर भी विचार किया जाएगा। केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युवाओं के लिए अधिक रोजगार सृजित करने की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है।

नीति आयोग की शासी परिषद 26 से 28 दिसंबर 2025 के दौरान आयोजित मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक आमतौर पर हर वर्ष आयोजित की जाती है। पिछली बैठक 24 मई 2025 को आयोजित हुई थी, जबकि इस बार की बैठक को विकसित भारत-2047 के रोडमैप के लिहाज से विशेष महत्व दिया जा रहा है।

चोरी पकड़ने के लिए अंधविश्वास का सहारा, खौलते गोबर के पानी में डाला युवक का दोनों हाथ

रांची, एजेंसी। झारखंड के ग्रामीण इलाकों में अंधविश्वास की जड़े वर्तमान में भी बहुत गहरी है। यहां तक की राजधानी रांची भी इससे अछूता नही है। ताजा मामला रांची के नरकोपी का है। यहां एक युवक को मात्र 20 हजार रुपये के चोरी का आरोप लगाकर सच्चाई की परीक्षा करवाई गई, जिसमें युवक बुरी तरह से जख्मी हो गया है।

चोरी के आरोप को लेकर एक 18 वर्षीय युवक को कथित तौर पर ऐसी अमानवीय सजा दी गई, जिससे उसके दोनों हाथ गंभीर रूप से झुलस गए। पूरा मामला रांची से 60 किलोमीटर दूर नरकोपी थाना क्षेत्र के सरवा गांव का है। अंधविश्वास की यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बन गया है।

दरअसल, सरवा गांव निवासी 18 वर्षीय अनूप पर उसके पड़ोसी ने 20 हजार रुपये चोरी करने का आरोप लगाया। इस पर अनूप ने कहा कि उसने कोई चोरी नहीं की है। जिसके बाद आरोप लगाने वाले पड़ोसी ने सच्चाई जानने के नाम पर अंधविश्वास का सहारा लिया और अनूप के दोनों हाथों को खौलते गोबर के पानी में डाल दिया। (गांव में चोरी पकड़ने की एक तथाकथित विधि है, जिसमें पानी और गोबर मिलाकर उसे ज्यादा तापमान पर गर्म किया जाता है। इस दौरान अनूप दर्द से चीखता रहा, लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गयी। कुछ ही देर में उसके दोनों हाथ बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद परिजनों ने घायल दिलीप को इलाज के लिए रांची स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका अब भी उपचार चल रहा है।

कुछ ग्रामीणों के समझाने के बाद दिलीप की मां के द्वारा नरकोपी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई। अनूप उरांव की मां सुमी उरांव ने बताया कि गोबर मिश्रित उबलते पानी में हाथ डलवाने से उसके बेटे के दोनों हाथ गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। दोनों हाथों के कुछ उंगलियां भी झुलसकर कट गयी है।पीड़िता की मां सुमी उरांव के द्वारा थाना में कांड 14/026 बीएनएस की धारा 124(1)217(3)/3(5) के तहत केस दर्ज करायी है।

रांची में गोलीबारी: एक युवक को लगी गोली, आपसी विवाद में हुई फायरिंग

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के मौलाना आजाद कॉलोनी में आपसी विवाद के बाद फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस फायरिंग में शमशेर नाम के युवक को दो गोलियां लगी हैं।

रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में आपसी विवाद में गोलीबारी की गई है। वारदात नामकुम थाना क्षेत्र के मौलाना आजाद कॉलोनी गेट के बगल में स्थित पप्पू होटल के पास की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर शमशेर नाम के युवक का विवाद चल रहा था। बुधवार की शाम विवाद इतना बढ़ा कि दूसरे पक्ष के एक युवक ने पिस्तौल निकाल ली और गोली चला दी। अपराधी ने शमशेर को दो गोलियां मारी। गोली चलते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई। गोली चलाने वाले मौके से फरार हो गए। वहीं कुछ लोग घायल शमशेर को पहले अंजुमन अस्पताल ले गए जहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार गोलीबारी में घायल शमशेर अंजुमन इस्लामिया नूरिया महापंचायत के अध्यक्ष हाजी सऊद आलम का पुत्र है।

गोलीबारी की सूचना मिलते ही नामकुम पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर गोली चलाने वाले की पहचान कर ली गई है। नामकुम थाना प्रभारी रामनरायण सिंह ने बताया कि अपराधी की पहचान कर ली गई है।

होल्डिंग टैक्स के एकमुश्त भुगतान पर 10% तक की छूट, रांची नगर निगम की पहल

रांची , एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए होल्डिंग टैक्स भुगतान करने वाले करदाताओं को रांची नगर निगम ने बड़ी राहत दी है। निगम की ओर से निर्धारित अवधि के भीतर होल्डिंग टैक्स का एकमुश्त भुगतान करने पर देय कर राशि पर अधिकतम 10 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

इस योजना का लाभ लेने के लिए करदाताओं को 30 जून 2026 तक अपना टैक्स जमा करना होगा। निगम के अनुसार छूट का लाभ लेने के लिए अब केवल 20 दिन शेष हैं। रांची नगर निगम ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टैक्स भुगतान की ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई है। करदाता स्मार्ट रांची ऐप, व्हाट्सएप चैटबॉट, निगम की आधिकारिक वेबसाइट, जन सुविधा केंद्र और अधिकृत कर संग्राहकों के माध्यम से आसानी से अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर सकते हैं।

स्मार्ट रांची ऐप के जरिए करदाता अपने होल्डिंग नंबर की मदद से बकाया राशि की जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। वहीं 8986627070 नंबर पर उपलब्ध व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से भी टैक्स भुगतान की सुविधा दी गई है।

इसके अलावा निगम की वेबसाइट पर जाकर भी प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान किया जा सकता है।ऑनलाइन सुविधाओं के साथ-साथ रांची नगर निगम कार्यालय और डोरंडा स्थित जन सुविधा केंद्रों में भी टैक्स जमा करने की व्यवस्था की गई है। निगम द्वारा अधिकृत एजेंसी के कर संग्राहक भी घर-घर जाकर कर संग्रह कर रहे हैं।

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि रांची नगर निगम करदाताओं को समय पर कर भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष छूट प्रदान कर रहा है। नागरिक 30 जून से पहले होल्डिंग टैक्स का एकमुश्त भुगतान कर 10 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

डिजिटल माध्यमों से भुगतान करना आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक है। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि समय पर कर भुगतान कर शहर के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द कर भुगतान करें और उपलब्ध छूट का लाभ उठाएं।

निगम का कहना है कि समय पर कर भुगतान से शहर में आधारभूत सुविधाओं और विकास कार्यों को गति देने में मदद मिलती है।

राज्यपाल ने की चार सूचना आयुक्तों की नियुक्ति

रांची, एजेंसी। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15(3) से मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार सूचना आयुक्तों की नियुक्ति कर दी है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है। इनमें वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक के नाम शामिल हैं।

सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 16(3) के आलोक में सूचना आयुक्त की नियुक्ति उनके शपथ ग्रहण की तारीख से प्रभावी होगी। सूचना आयुक्त के पद पर कार्यकाल 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु पूरी करने तक रहेगा। राज्य सरकार ने इन चार नामों की अनुशंसा करते हुए पैनल राज्यपाल के पास भेजा था। हालांकि, पहली बार राजभवन ने कुछ आपत्तियां जताते हुए प्रस्ताव को वापस कर दिया था। इसके बाद सरकार की ओर से आपत्तियों पर अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए दोबारा वही पैनल राज्यपाल को भेजा गया था। राज्यपाल ने कुछ शर्तों के साथ नियुक्तियों पर अपनी सहमति दी है। उन्होंने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि झारखंड राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति जल्द सुनिश्चित की जाए, ताकि आयोग का कार्य सुचारु

और प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया में यदि कोई प्रक्रियागत त्रुटि पाई जाती है या इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन से संबंधित कोई प्रश्न उत्पन्न होता है, तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही राज्य सरकार की होगी।

नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान सबसे अधिक चर्चा पैनल में शामिल कुछ नामों के राजनीतिक संबंधों को लेकर हुई थी। अमूल्य नीरज खलखो का कांग्रेस से, तनुज खत्री का झामुमो से और शिवपूजन पाठक का भाजपा से जुड़ाव होने की बात सामने आई थी। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक संगठनों ने सूचना आयोग जैसे संवैधानिक महत्व के संस्थान में राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए थे।

सरकार ने दोबारा भेजे गए प्रस्ताव में स्पष्ट किया कि जिन व्यक्तियों के खिलाफ आरोपों का उल्लेख किया गया था, वे आरोपों से मुक्त हो चुके हैं। साथ ही, राजनीतिक दलों से जुड़े नाम नियुक्ति के बाद अपने-अपने पदों से इस्तीफा देंगे। सरकार ने यह भी कहा कि संबंधित व्यक्ति किसी राजनीतिक दल में लाभ के पद पर नहीं हैं।

गिरिडीह में चलती कार में अचानक लगी आग, जान बचाकर भागे सवार

गिरिडीह, एजेंसी। चलती कार में अचानक आग लग गई। आग ने तुरंत ही विकराल रूप धारण कर लिया। हालांकि आग लगते ही वाहन पर सवार दो लोग कार से बाहर निकलने में सफल रहे। यह घटना गिरिडीह जिले के गावां थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना-डोरंडा मुख्य मार्ग पर बुधवार को हुई है।

जानकारी के अनुसार महिंद्रा एक्सयूवी थ्री ओ-ओ पर सवार होकर दो लोग गिरिडीह शहर जा रहे थे। कार जैसे ही सांख गांव के पास पहुंची तो कार में शॉट सर्किट होने लगी। शॉट सर्किट से वाहन के अंदर आग लग गई। वाहन के चालक ने तुरंत ही वाहन को बीच सड़क पर खड़ा किया और साथ में बैठे व्यक्ति के साथ बाहर निकल गए। दोनों के बाहर आते ही कार धू-धूकर जलने लगी और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

कार में आग लगने के बाद इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रभावित हो गया। लोग जहां थे वहीं खड़े हो गए।

कुछ लोगों द्वारा आग बुझाने का प्रयास भी किया गया, लेकिन आग की लपटें देखकर लोगों की हिम्मत जवाब दे गई। चंद मिनट में आग पूरी तरह से कार के चारों तरफ फैल गई और पूरी कार जल गई। बाद में मामले की सूचना पर गावां थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पूरी जानकारी ली और जल चुकी कार को सड़क के बीच से हटवा कर आवागमन को सामान्य किया।

जेएमएडीए में अनुकंपा नियुक्ति का मामला, हाईकोर्ट ने आवेदकों को दिया नया प्रतिनिधित्व देने का निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जेएमएडीए) में अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर दायर याचिका का निपटारा करते हुए 39 याचिकाकर्ताओं को संबंधित प्राधिकार के समक्ष नया प्रतिनिधित्व देने की छूट प्रदान की है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं की ओर से आवेदन प्राप्त होने के बाद सक्षम प्राधिकारी कानून और नियमों के अनुरूप तीन माह के भीतर निर्णय लें।

डब्ल्यूपी (एस) संख्या 2139/2026 में धनबाद और आसपास के क्षेत्रों के 39 याचिकाकर्ताओं ने राज्य सरकार, नगर विकास एवं आवास विभाग तथा झारखंड मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जेएमएडीए) को पक्षकार बनाते हुए याचिका दाखिल की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उनके परिजनों की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के लिए आवेदन लंबित हैं, लेकिन जेएमएडीए अधिनियम, 2000 की धारा-5 के तहत प्राधिकरण के सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने के कारण उनके मामलों पर विचार नहीं हो पा रहा है। उन्होंने अदालत से राज्य सरकार को आवश्यक नियुक्तियां करने का निर्देश देने और जेएमएडीए को उनके मामलों पर विचार करने का आदेश देने की मांग की थी।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की

ओर से अधिवक्ता बैभव गहलौत ने अदालत को बताया कि फिलहाल याचिका का निपटारा करते हुए उन्हें संबंधित अधिकारियों के समक्ष जाने की स्वतंत्रता प्रदान की जाए, ताकि उनकी शिकायतों का समाधान प्रशासनिक स्तर पर किया जा सके। वहीं राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने भी कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहें तो वे संबंधित प्राधिकार के समक्ष अपनी मांग रख सकते हैं और उस पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

दोनों पक्षों की सीमित दलीलों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने याचिका का निपटारा करते हुए सभी याचिकाकर्ताओं को जेएमएडीए के प्रबंध निदेशक (प्रतिवादी संख्या-4) के समक्ष नया प्रतिनिधित्व दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि जैसे ही प्रबंध निदेशक को कोई आवेदन प्राप्त होगा, वह लागू कानून और प्रासंगिक नियमों के अनुसार तीन माह के भीतर उस पर निर्णय लेंगे।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि यदि संबंधित प्राधिकारी का निर्णय याचिकाकर्ताओं के पक्ष में जाता है, तो उसके बाद आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई और आदेश अगले चार सप्ताह के भीतर जारी किए जाएंगे। अदालत ने कहा कि प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और सक्षम प्राधिकारी को निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्णय लेना होगा।

इस प्रकार न्यायमूर्ति दीपक रोशन की एकलपीठ ने याचिका का निपटारा करते हुए मामले को प्रशासनिक स्तर पर निर्णय के लिए छोड़ दिया। अब सभी 39 याचिकाकर्ताओं की नजर जेएमएडीए के प्रबंध निदेशक के निर्णय पर टिकी है, जो उनके अनुकंपा नियुक्ति के लंबे समय से लंबित मामलों के भविष्य को तय करेगा। आखिर भारतीय न्याय व्यवस्था में कई बार अदालतें सीधे नियुक्ति का आदेश देने के बजाय संबंधित विभागों को पहले अपना काम करने का अवसर देती हैं, क्योंकि कागजों और नियमों की इस दुनिया में हर दरवाजा एक और आवेदन से ही खुलता है।

वीबी जी राम जी योजना में रिश्वत लेते जेई गिरफ्तार, एसीबी ने पांच हजार रुपये के साथ रंगे हाथ दबोचा

देवघर, एजेंसी। मधुपुर अनुमंडल अंतर्गत करौं प्रखंड की डिंडाकुली पंचायत में वीबी जी राम जी योजना की ट्रेंच कम बंड (टीसीबी) योजना की राशि आवंटित करने के एवज में रिश्वत लेते हुए जूनियर इंजीनियर संतोष कुमार को दुमका एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जेई को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते समय पकड़ा गया।एसीबी के अनुसार, टीसीबी योजना के एक लाभुक से राशि जारी कराने के बदले जेई संतोष कुमार ने पहले सात हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। जब लाभुक ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया तो आरोपी जेई ने योजना की राशि जारी करने से साफ मना कर दिया। पीड़ित कुमार राणा ने इसकी शिकायत दुमका एंटी करप्शन ब्यूरो में की। शिकायत पर एसीबी टीम ने प्रारंभिक जांच की, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और आरोपी को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।इस घटना के बाद पूरे प्रखंड क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों में इस मामले को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में बिना घूस दिए काम कराना आम आदमी के लिए बेहद मुश्किल होता जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गढ़वा में अवैध बालू खनन पर प्रशासन सख्त, नदी घाटों के 200 मीटर के दायरे में लगी धारा 163

गढ़वा, एजेंसी। मॉनसून के आगमन के साथ ही नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी, भूमि कटाव और अवैध बालू के उत्खनन-परिवहन पर लगाम लगाने के लिए गढ़वा जिला प्रशासन ने एक बेहद अनूठा और कड़ा रुख अख्तियार किया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराते हुए सदर अनुमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने पूरे अनुमंडल क्षेत्र में एक आदेश जारी किया है। सदर एसडीएम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (जो पहले की धारा 144 थी) के तहत गढ़वा अनुमंडल क्षेत्र के सभी नदी घाटों, जल निकायों और उनके 200 मीटर के परिधि क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू कर दी है। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, यह निषेधाज्ञा अगले आदेश तक या एनजीटी द्वारा तय प्रतिबंध की अवधि तक लागू रहेगी। आदेश के दायरे में सदर अनुमंडल क्षेत्र से गुजरने वाली सोन नदी, कोयल नदी, बांकी नदी, दानरो नदी, यूरिया नदी, सरस्वतिया नदी और अन्य जल निकाय शामिल है। इस अवधि में इन सभी नदियों के घाटों से किसी भी तरह का बालू खनन (चाहे वह मशीन से हो या मैनुअल) पूरी तरह बैन रहेगा। इसके अलावा, बालू लदे ट्रैक्टर, हाइवा या अन्य किसी भी वाहन के परिचालन पर सख्त मनाही होगी। रात के समय नदी तटीय और बालू वाले क्षेत्रों में लोगों की सामूहिक आवाजाही पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस आदेश को जमीन पर कड़ाई से लागू करने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस प्रशासन को सौंपी गई है। सभी संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पुलिस गश्ती बढ़ाएं और किसी भी संदेहास्पद खनन गतिविधि पर पैनी नजर रखें। इसके साथ ही, जिला खनन कार्यालय को अंचल अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर नियमित निरीक्षण करने और लगातार कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

ऑनलाइन पेमेंट के नाम पर अनोखी ठगी, हजारों रुपये लेकर ठग फरार

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला बाजार में ठगी का एक बेहद अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक शातिर व्यक्ति ने ऑनलाइन पेमेंट का झांसा देकर फल, मछली और मुर्गा कारोबार से जुड़े लोगों को ही हजारों रुपये का चूना लगा दिया। घटना के बाद पूरे बाजार में हड़कंप मच गया है और व्यापारी सतर्क हो गए हैं। पीड़ित व्यवसायियों के अनुसार, सिर पर टोपी और हल्की दाढ़ी वाले एक अज्ञात व्यक्ति ने सरायकेला के एक स्थानीय स्कॉर्पियो को बुक किया, उसी गाड़ी में बैठकर वह सबसे पहले बाजार स्थित राजू कामिला की फल दुकान पर पहुंचा। वहां उसने 4000 रुपये के सेब और केले खरीदे और गाड़ी में लोड करवाए। ठग ने दुकानदार को पैसे न देकर 'फोन-पे' करने का झांसा दिया। फल दुकान के बाद वह व्यक्ति गाड़ी से उतरकर बगल में मछली काट रहे अविनाश महंती के पास पहुंचा और 40 किलो मछली काटने को कहा। इसी दौरान उसने अविनाश से ही पास के दुकानदार अगस्ती कैवर्त से 25 किलो पोल्ट्री मुर्गा भी मंगवा लिया। इस बीच ठग ने अविनाश से 10,000 रुपया नगद की मांग की और उन्हें भी फोन-पे से पैसे भेजने की बात कही। इतना सारा सामान लेने पर व्यवसायी ठग के झांसे में आ गए, बावजूद शातिर यहीं नहीं रुका, उसने गाड़ी बुक करने वाले स्कॉर्पियो चालक से भी 1500 रुपये नगद ले लिए और उसे भी ऑनलाइन पेमेंट करने का बहाना बनाया। दुकानदार अविनाश जब मछली काटने और अन्य कामों में व्यस्त थे, तभी शातिर ठग मौका देखकर सभी को चकमा देकर फरार हो गया। मछली काट कर पैक करने के बाद अविनाश उसको खोजने लगे तो पता चला कि वह है नही, काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो ठगी का एहसास हुआ।

परिमल नाथवानी का पर्चा वैध, कांग्रेसी मंत्रियों के विरोध के बाद दिल्ली में डेरा जमाएंगे विधायक

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के दौरान दो सीटों पर होने वाले चुनाव में हाईवोल्टेज ड्रामा जारी है। निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में तकनीकी खामियों को लेकर कांग्रेस की ओर से आपत्ति जाहिर की गई। इसके बाद परिमल नाथवानी की ओर से बुधवार को रिटर्निंग ऑफिसर के पास कांग्रेस की आपत्ति के बाद जवाब दाखिल किया गया। इसके बाद उनके नामांकन को वैध करार दिया गया है। परिमल नाथवानी के उम्मीदवारी पर कांग्रेस के विधायकों का विरोध अब भी जारी है। खबर है कि झारखंड कांग्रेस के विधायक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करने के लिए दिल्ली जाएंगे। निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी के नामांकन पत्र को लेकर उठे विवाद के बीच बुधवार को विधानसभा परिसर में कांग्रेस और सत्ता पक्ष के नेताओं ने जमकर हंगामा किया। कांग्रेस की ओर से अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली से पहुंचे वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा सुनवाई में शामिल होने की अनुमति नहीं मिलने के बाद विवाद और बढ़ गया।

महागठबंधन की रांची में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस

चुनाव आयोग और आरओ की भूमिका पर उठाए गए सवाल!

रांची, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव की राजनीतिक गर्माहट के बीच प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में महागठबंधन दलों के नेताओं ने संयुक्त पीसी की। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग, राज्यसभा चुनाव के निर्वाची अधिकारी की भूमिका पर सवाल खड़े किए। महागठबंधन ने बीजेपी पर लोकतंत्र को कलंकित करने का आरोप लगाया है। महागठबंधन दलों के नेताओं ने आपसी एकजुटता और 56 विधायकों की एकजुटता का दावा भी पेश किया है।

वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजद की ओर से कोई पदाधिकारी उपस्थित नहीं होने पर महागठबंधन ने बताया कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष से उनकी बात हुई थी, वह रांची में नहीं थे, इसलिए राजद का कोई प्रतिनिधि संयुक्त पीसी में नहीं पहुंच सका है। वहीं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी का नामांकन पत्र रद्द नहीं करने के मामले को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पास ले जाने की बात तक कही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। कल हमारे दोनों प्रत्याशी का नामांकन वैध हुआ था जबकि परिमल नाथवानी के नामांकन में त्रुटियां पाई गई थीं, जिसको हमारे विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने भी उठाया था। एक ओर मध्य प्रदेश में हमारी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन 15 मिनट में रद्द कर दिया गया, जबकि यहां पर कई कमियों के बावजूद नामांकन रद्द नहीं किया गया। परिमल नाथवानी के नाम के सरनेम समेत कई त्रुटियां पाई गई थी लेकिन उनका नामांकन रद्द करने की जगह उन्हें मौका दिया गया।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हमने पूर्व में ही कई आशंकाओं को लेकर जिक्र किया था कि निर्वाचन आयोग ऐसा करेगा। 2014 के बाद से भारत का निर्वाचन आयोग, विधानसभा और लोकसभा चुनाव और अब राज्यसभा चुनाव में भी एक पार्टी विशेष के लिए काम कर रहा है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया, अब बीजेपी के पक्ष में 'इलेक्शन कमीशन फॉर चेंज ऑफ वोट इंडिया' हो गया है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने दावा करते हुए कहा कि कि यदि तीसरा कैंडिडेट भी होगा, तब भी विधानसभा की स्ट्रेंथ के हिसाब से हम ही दोनों सीटें जीतेंगे। आज भी हमारा गठबंधन एकजुट है। आज भी हम 56 के आंकड़े में हैं। यदि चुनाव होगा, तो क्या वह निष्पक्ष होगा? अब यह बड़ा सवाल है। दो दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष के रांची रहने के बावजूद और प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष ने अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी लेकिन ऐसा क्या हो गया कि गौरव बल्लभ की जगह परिमल नाथवानी को मैदान में आना पड़ा। झारखंड में राज्यसभा चुनाव का खेल, अब चुनाव आयोग तय करेगा, हमें डर है कि वह वोटों का मैनिपुलेशन करेगा, ऐसा निर्वाची पदाधिकारी चुनाव आयोग ने क्यों बनाया, जिसे चुनाव कराना नहीं आता।

उन्होंने आगे कहा कि हैंडबुक में स्पष्ट लिखा है कि नामांकन करते समय एक चेकलिस्ट दी जाती है लेकिन यहां खेल दूसरा हुआ। जब कांग्रेस के प्रस्तावक ने आपत्ति दर्ज की, तब त्रुटियों को सुधारा। जब कोई चीज एक बार जमा कर देते हैं तो नामांकन रद्द करने की जगह मौका कैसे दिया जा सकता है? निर्वाचन आयोग अब न्यायालय की भूमिका भी निभा रहा है। ये सारी परिस्थितियां हम झेलते रहे हैं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि कितना साइनिंग अमाउंट था और एग्रीमेन्ट कितने में हुआ है, यह बाबूलाल मरांडी को बताना चाहिए।

वहीं सीपीआई माले के स्टेट सचिव मनोज भक्त ने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। संविधान जिस तटस्थता की बात करता है, उसका लगातार उल्लंघन हो रहा है। चुनाव आयोग तय कर रहा है कि कौन जीतेगा, कौन हारेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी, झारखंड में लगातार हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा देती रही है, वर्तमान में हमारी बड़ी जिम्मेदारी है कि हम मिलकर महागठबंधन के दोनों उम्मीदवार को जिताएं।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया में तकनीकी त्रुटियां रही हैं और बड़े त्रुटियों के बावजूद ईसीआई के प्रेशर पर आरओ ने परिमल नाथवानी के नामांकन को वैध घोषित कर दिया। झारखंड में राज्यसभा चुनाव हो इससे पहले ही हॉर्स की जगह एलीफैंट ट्रेडिंग हो गया है। यही वजह है कि परिमल नाथवानी के पक्ष में एनडीए के सभी 24 विधायक प्रस्तावक बन गए।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि बहुत सोच समझकर यह योजना बनाई है कि इंडिया गठबंधन को कमजोर किया जाए। मैं, चुनाव आयोग से पूछता हूं कि आरओ ने फॉर्म में चेक स्लिप क्यों नहीं दिया। कोई चेक स्लिप क्यों नहीं जारी किया। फार्म-26 का कॉलम को क्यों खाली रखा गया?। यहां दो दो निर्वाचन आयोग चल रहा है। एक भारत का निर्वाचन आयोग और दूसरा निर्दलीय प्रत्याशी का निर्वाचन आयोग। तथ्यों को छुपाने के राजनीतिक अपराध परिमल नाथवानी ने किया है।

प्रेमिका ने जब शादी का बनाया दबाव, तो प्रेमी ने किया ये काम, चार महीने बाद खुला राज

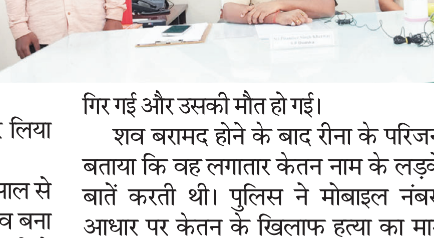

दुमका, एजेंसी। मसानजोर डैम में इस वर्ष होली के दिन (4 मार्च की सुबह) 19 वर्षीय रीना कुमारी का शव बरामद किया गया था। स्थानीय पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और इसे हत्याकांड मानते हुए छानबीन में जुट गई। पुलिस ने बुधवार को इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली। मृतका के प्रेमी केतन कुमार मंडल को देवघर जिले के सारठ थाना क्षेत्र के जमुआसोल से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच एक साल से प्रेम संबंध चल रहा था। रीना शादी का दबाव बना रही थी, जिसे केतन सहन नहीं कर सका। शादी से इनकार करने के बाद उसने रीना को रास्ते से हटाने की योजना बना ली।

दुमका के मसानजोर थाना क्षेत्र के रहने वाली रीना कुमारी और केतन कुमार मंडल दोनों स्थानीय एस।पी। कॉलेज में पढ़ते थे। दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम में बदल गई। 28 मार्च को केतन रीना को घुमाने के बहाने मयूराक्षी नदी के किनारे ले गया। वहां उसने रीना को एक बड़े पत्थर पर बैठने को कहा ताकि तस्वीर अच्छी आए। जब रीना पत्थर पर बैठी, तो केतन ने पीछे से धक्का दे दिया। इससे वह नदी में गिर गई और उसकी मौत हो गई।

शव बरामद होने के बाद रीना के परिजनों ने बताया कि वह लगातार केतन नाम के लड़के से बातें करती थी। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर केतन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। आरोपी लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। दुमका पुलिस की टीम ने मोबाइल लोकेशन, अन्य तकनीकी साक्ष्यों और सूचना के आधार पर केतन को ट्रैक किया। गिरफ्तारी के समय उसके पास से रीना कुमारी की बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और आधार कार्ड बरामद किए गए।

दुमका के एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी मदद और निरंतर निगरानी से आरोपी को पकड़ा जा सका। मामले की जांच जारी है।

देवघर में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

बुलडोजर देखते ही दुकानदारों में मची खलबली

देवघर, एजेंसी। शहर में अतिक्रमण की समस्या एक बार फिर प्रशासन के निशाने पर है, खासकर शहर के व्यस्ततम और प्रमुख बाजार क्षेत्र टावर चौक से शिक्षा सभा चौक तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के कारण लोगों को रोजाना जाम और आवागमन की परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय दुकानदारों द्वारा सड़क पर दुकान का दायरा बढ़ा लेने से सड़क संकरी हो जाती है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है।

इसी समस्या को देखते हुए बुधवार को देवघर नगर निगम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान टावर चौक से लेकर शिक्षा सभा चौक तक बुलडोजर चलाकर सड़क किनारे किए गए अस्थायी निर्माण और अतिक्रमण को हटाया गया। बुलडोजर पहुंचते ही स्थानीय दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार आनन-फानन में अपने अस्थायी ढांचे और सामान हटाने लगे। इस दौरान कुछ दुकानदारों और नगर निगम कर्मियों के बीच हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली।

अभियान के दौरान स्थानीय दुकानदारों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब सड़क किनारे निर्माण या दुकान लगाने का काम शुरू होता है, तब प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता। लेकिन निर्माण पूरा होने के बाद बुलडोजर चलाकर उसे तोड़ दिया जाता है।

दुकानदारों का कहना है कि मुख्य बाजार क्षेत्र में अधिकांश दुकानें छोटी हैं, इसलिए सड़क किनारे दुकान लगाना उनकी मजबूरी बन जाती है। वहीं कई स्थानीय लोगों ने नगर निगम की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने का अभियान पहले भी कई बार चलाया गया है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से सड़क पर कब्जा कर लिया जाता है। लोगों का मानना है कि यदि कार्रवाई के बाद नियमित निगरानी की जाए तो अतिक्रमण की समस्या पर स्थायी रूप से नियंत्रण पाया जा सकता है।

अभियान का नेतृत्व कर रहे टैक्स इंस्पेक्टर पिंटू कुमार ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद यदि कोई दुकानदार दोबारा सड़क पर कब्जा करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों को लीगल नोटिस भेजने के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी कई दुकानदारों से जुर्माना वसूला गया और उन्हें भविष्य में अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई।

एसआईआर को लेकर झामुमो ने कसी कमर, बोकारो में बीएलए 2 का प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

बोकारो/धनबाद, एजेंसी। झारखंड में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर को लेकर झामुमो ने कमर कस ली है। इसे लेकर बोकारो जिले में बुधवार को बीएलए 2 का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विधायक उमाकांत रजक और महासचिव विनोद पांडे ने शिरकत की। जिले के टाउन हॉल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में बूथ पर तैनात एजेंट को काटे जा रहे नाम से संबंधित जानकारी दी गई। पूरे झारखंड में बोकारो जिले में सबसे अधिक मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिसमें बोकारो विधानसभा में सबसे अधिक मतदाताओं के नाम शामिल हैं।

इस दौरान सभी नेताओं ने चेतावनी देते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि मतदाता सूची से नाम कट जाता है तो इसका सीधा प्रभाव सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर पड़ेगा क्योंकि वोटर लिस्ट में नाम रहना बहुत जरूरी है अगर इस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो इसका काम पूरा होने के बाद भी सरकार भी इस पर कुछ नहीं कर सकती है और पछताने से भी कुछ नहीं होगा। इसीलिए बीजेपी की इस साजिश को नाकाम करने के लिए सभी को जमीनी स्तर पर काम करना होगा, क्योंकि बीजेपी सत्ता हासिल करने के लिए पश्चिम बंगाल और बिहार में एसआईआर को हथियार बना चुकी है, जिसका परिणाम सबके सामने है।

जिले में कुल 15,33,943 मतदाताओं में से 10,47,913 की मैपिंग पूरी हो चुकी है। कुल मैपिंग प्रतिशत 68।31% है। गोमिया विधानसभा 81।99% के साथ सबसे आगे चंदनकियारी में 80।52% मैपिंग पूरी हो चुकी है। बेरमो में 72।48% मतदाताओं की मैपिंग हो चुकी है। बोकारो विधानसभा 52।82% के साथ सबसे पीछे है, जहां अभी 2,81,528 मतदाताओं की मैपिंग बाकी है। जिले में कुल 4,86,030 मतदाताओं की मैपिंग अभी बाकी है।

धनबाद में टाउन हॉल में झामुमो की ओर से बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं एवं बीएलए के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय सचिव विनोद पांडे, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना और उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराना था। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के सत्यापन, नए नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार और अभियान के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। नेताओं ने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, निष्पक्ष और प्रभावी मतदाता पुनरीक्षण अभियान के लिए बेहद जरूरी है।

इंटरमीडिएट और स्नातक ट्रेंड सहायक आचार्य परीक्षा के 16,113 आवेदन रद्द, 22 जून को एग्जाम

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने झारखंड इंटरमीडिएट एवं स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2025 के लिए आवेदन करने वाले 16,113 अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन रद्द कर दिये हैं। आयोग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, आवेदन प्रक्रिया को निर्धारित तरीके से पूरा नहीं करने के कारण यह कार्रवाई की गयी है। आयोग ने इस संबंध में विस्तृत सूचना अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी जारी कर दी है।

जेएसएससी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, कुल 15,936 ऐसे अभ्यर्थियों के आवेदन रद्द किये गये हैं, जिन्होंने केवल प्रारंभिक चरण यानी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी की थी, लेकिन आवेदन के अन्य आवश्यक चरणों को पूरा नहीं किया। इसके कारण उनके आवेदन अमान्य घोषित कर दिये गये। इसके अलावा 177 ऐसे अभ्यर्थी भी हैं, जिन्होंने प्रारंभिक चरण की प्रक्रिया पूरी कर ली थी, लेकिन निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान नहीं किया। शुल्क जमा नहीं करने के कारण उनके आवेदन भी निरस्त कर दिये गये।

आयोग ने बताया कि झारखंड इंटरमीडिएट एवं स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2025 (विज्ञापन संख्या-08/2025) के लिए 14 दिसंबर 2025 से 24 फरवरी 2026 की मध्यरात्रि तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद यह कार्रवाई की गयी है।

जेएसएससी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 22 जून से 24 जून 2026 तक किया जायेगा। परीक्षा का आयोजन रांची जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) केंद्रों पर किया जायेगा। आयोग के परीक्षा नियंत्रक की ओर से इस संबंध में सूचना जारी की गयी है।

रांची में रथयात्रा और श्रावणी मेले की तैयारियां तेज, डीसी ने की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को रांची समाहरणालय में एक के बाद एक महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। एक ओर जहां 16 से 25 जुलाई तक आयोजित होने वाले 365वें जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव और 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाले श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा की गई। वहीं दूसरी ओर जिला के विभिन्न अंचलों और प्रखंडों में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से सैकड़ों आवेदनों का त्वरित निष्पादन कर लोगों को राहत प्रदान की गई।

उपायुक्त ने जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपीं। बैठक में निर्णय लिया गया कि मेले की परिधि से 500 मीटर के दायरे में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। रथयात्रा मार्ग पर विशेष बैरिकेडिंग की जाएगी तथा बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए वॉच टावर, खोया-पाया केंद्र और सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। रथयात्रा मार्ग से अतिक्रमण हटाने, मंदिर मार्ग और रथ पथ की सड़कों की मरम्मत, पर्याप्त शौचालय निर्माण तथा प्लास्टिक और सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का भी निर्देश दिया गया। पार्किंग शुल्क निर्धारित कर उसका सार्वजनिक प्रदर्शन अनिवार्य करने तथा पर्यटन की दृष्टि से रथयात्रा को और आकर्षक बनाने पर भी जोर दिया गया।

इसी क्रम में उपायुक्त ने रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति की बैठक में श्रावण माह 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। इस वर्ष 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाले श्रावणी मेले में 3, 10, 17 और 24 अगस्त को सोमवार पड़ने के कारण भारी भीड़ की संभावना जताई गई। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए पेयजल, चलंत शौचालय, स्ट्रीट लाइट, अग्निशमन व्यवस्था और साफ-सफाई के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक सोमवार, नाग पंचमी और पूर्णिमा के अवसर पर मेडिकल टीम, दवाओं और स्ट्रेचर के साथ तैनात रहने को कहा गया है। विद्युत विभाग को आयोजन से एक सप्ताह पूर्व सुरक्षा प्रमाण-पत्र देने तथा पूरे मेले के दौरान 24 घंटे कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही भीड़ प्रबंधन, बैरिकेडिंग, ड्रेनेज व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने और प्लास्टिक उपयोग रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बेहतर बनाने के लिए वॉकी-टॉकी खरीदने का भी फैसला लिया गया।

दूसरी ओर, उपायुक्त के निर्देश पर जिला के विभिन्न अंचलों और प्रखंडों में आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। रातू, नगड़ी, अनगड़ा, खलारी, सिल्ली, बुंडू, नामकुम, राहे और चान्हो सहित कई अंचलों में सैकड़ों आवेदनों का निष्पादन किया गया। इनमें जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र, दाखिल-खारिज, पेंशन, लगान भुगतान, पंजी सुधार और ऑनलाइन सुधार से जुड़े मामलों का निपटारा शामिल है।

सिल्ली में एक महिला को आय प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया, जबकि कैंसर से पीड़ित एक आवेदक को आवश्यक कार्य के लिए तत्काल प्रमाण-पत्र जारी किया गया। मांडर अंचल में भूमि संबंधी मामले में शुद्धि पत्र प्रदान कर आवेदक को राहत दी गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि जगन्नाथपुर रथयात्रा और श्रावणी मेला रांची की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान हैं। इन आयोजनों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। साथ ही जनता दरबार के माध्यम से आम लोगों को समयबद्ध और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी जिला प्रशासन की विशेष प्राथमिकता रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

शिलान्यास कार्यक्रम में जर्जर सड़क का मुद्दा उठा, हाजीपुर नगर सभापति ने मौके पर जाकर किया निरीक्षण

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। हाजीपुर के क्रांति चौक पर एक विकास कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान स्थानीय निवासियों ने नगर सभापति संगीता कुमारी को क्षेत्र की जर्जर सड़क की समस्या से अवगत कराया। यह कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार सिंह ने नगर सभापति का ध्यान क्रांति चौक से थाना चौक तक की खराब सड़क की ओर खींचा। उन्होंने बताया कि यह सड़क लंबे समय से खराब है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। इसी मार्ग पर एक बालिका उच्च विद्यालय भी है, जहां बड़ी संख्या में छात्राएं आती-जाती हैं। सड़क की खराब हालत से छात्राओं और स्थानीय निवासियों को असुविधा हो रही है। कुछ लोगों ने पहले शिलान्यास कार्यक्रम पूरा होने देने का सुझाव दिया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद, नगर सभापति संगीता कुमारी ने स्वयं उस सड़क का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की शिकायतें सुनीं। स्थानीय निवासियों ने उम्मीद जताई है कि नगर प्रशासन जल्द ही सड़क की मरम्मत और निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। इससे क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी और छात्राओं को सुरक्षित तथा सुगम आवागमन की सुविधा मिल पाएगी।

फतुहा में अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक घायल:गंभीर हालत में पीएमसीएच रेफर

पटना, एजेंसी। पटना जिले के फतुहा नदी थाना क्षेत्र के मौजीपुर मोड़ के समीप मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में ऑटो चालक गौतम कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। खुसरूपुर थाना क्षेत्र के मोसीमपुर गांव निवासी गौतम कुमार पुत्र सिद्धनाथ चौबे अपना ऑटो लेकर फतुहा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान मौजीपुर मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उनके ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गौतम कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल गौतम कुमार का प्राथमिक उपचार किया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दुर्घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है और फरार वाहन चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

सीवान पुलिस को 15 मिनट में देना होगा रिस्पॉन्स, एसपी का अल्टीमेटम, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

सीवान, एजेंसी। सीवान जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने सख्त रुख अपनाया है। समाहरणालय सभागार में आयोजित मई माह की अपराध गोष्ठी में एसपी ने जिले के सभी थानाध्यक्षों और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि गंभीर मामलों में वांछित अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। बैठक में पुलिसिंग को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने पर विशेष जोर दिया गया। अपराध समीक्षा बैठक के दौरान एसपी ने हत्या, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर वारंट, सम्मन और कुर्की-जब्ती की कार्रवाई को तेज करने के आदेश दिए गए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में गंभीर आपराधिक मामलों के त्वरित निष्पादन पर भी चर्चा हुई। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्पीडी ट्रायल के माध्यम से दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इससे अपराधियों में कानून का भय बढ़ेगा और अपराध पर नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। आगामी मुहर्रम पर्व को देखते हुए जिले के सभी थानों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। एसपी ने शांति समिति की बैठक आयोजित करने, संवेदनशील स्थलों की पहचान करने, आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए विशेष रणनीति बनाने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने सक्रिय अपराधियों, जेल से रिहा हुए अपराधियों और लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की सूची अपडेट करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी व्यक्तियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की जाए ।बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्देश ईआरएसएस से जुड़ा रहा। एसपी ने कहा कि कंट्रोल रूम से प्राप्त किसी भी शिकायत पर हर हाल में 15 मिनट के भीतर पुलिस की प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए।

ट्रक ने छात्रा को कुचला, 15 फीट तक घसीटा, मौत

लोगों ने थाने पर किया पथराव, गाड़ियों में तोड़फोड़; कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने की फायरिंग

जमुई, एजेंसी। जमुई में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने कोचिंग जा रही 10वीं की छात्रा को कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना खैरा बाजार के खैरा पंचमंदिर के पास हुआ। मृतका की पहचान बरियारपुर की मुस्कान कुमारी के रूप में हुई है। छात्रा की बॉडी ट्रक के पिछले पहिए के नीचे दबी थी। कमर पर ट्रक का पहिया चढ़ा हुआ था। ड्राइवर उसे 15 फीट तक घसीटते हुए ले गया। सड़क पर खून और मांस के निशान मिले हैं।

छात्रा की मौत से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने खैरा बाजार को जाम कर दिया और ट्रक में तोड़फोड़ की।भीड़ ने थाने पर पथराव कर दिया। पुलिस की 2 गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस की ओर से फायरिंग की गई है। पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया है।

घर से कोचिंग के लिए निकली थी मुस्कान : मुस्कान अपनी साइकिल से आज सुबह 7 बजे कोचिंग पढ़ने खैरा जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार बालू लदे हाइवा ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्रा हाइवा के चक्के में फंस गई और करीब पंद्रह फीट तक घिसटती चली गई, जिससे उसका शव क्षत-विक्षत हो गया।

हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रक ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह एक घर में छिप गया। इसके बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित भीड़ ने ट्रक में तोड़फोड़ कर उसके शीशे तोड़ दिए और बांस लगाकर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस को भी लोगों

के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया। फिलहाल, खैरा बाजार में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और पुलिस स्थिति को सामान्य करने की कोशिश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

ट्रक मालिक ने पुलिस को 15 लाख ऑफर दिया : छात्रा की भाभी रुचि देवी ने बताया कि हमें ट्रक चालक और उसका मालिक चाहिए। दोनों पर कार्रवाई होनी चाहिए। आरोपियों ने 15 लाख रुपए पुलिस को देकर मामला दबाने के लिए बोला है। प्रशासन ने पब्लिक पर गोली चला दी है, जिसके बाद बहुत लोग भाग गए। मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। सरकार पुलिस वालों को किस बात के पैसे देती है घूस खाने के लिए।

10 से 15 राउंड फायरिंग की आवाज सुनी : गांव के ही जीवन कुमार साह ने बताया कि 10वीं की छात्रा कोचिंग जा रही थी। इसी दौरान ट्रक ने उसे कुचल दिया और घसीटते हुए आगे बढ़ गई, जिससे सड़क पर मांस के टुकड़े बिखर गए। घटना के समय हम लोग गांव में थे। जानकारी मिलने पर जब यहां पहुंचे। मैंने 12 से 15 राउंड फायरिंग की आवाज सुनी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

किस हालत में मिली छात्रा की बॉडी : छात्रा की बॉडी ट्रक के पिछले पहिए के नीचे दबी मिली है। लोगों ने बताया कि ट्रक की चपेट में आते ही वो पिछले पहिए में फंस गई। ट्रक का ड्राइवर गाड़ी को 15 फीट तक घसीटते हुए ले गया। शायद वो भागने की कोशिश कर रहा था।

ट्रक का पहिया लड़की की कमर पर चढ़ा हुआ है। कमर का हिस्सा पूरी तरह से चिपक गया है। थोड़ी दूर पर लड़की की चप्पल पड़ी है। साइकिल भी टूटी मिली है।

हमले में कई पुलिस वाले घायल : भीड़ के पथराव में कई पुलिस वाले घायल हुए हैं। बाहर माहौल ऐसा है कि घायल पुलिस वालों को अस्पताल भेजने की जगह थाने में ही इलाज किया जा रहा है। एक महिला पुलिसकर्मी के पैर में चोट आई है तो एक सिपाही के हाथ में। आसपास के थानों से भी फोर्स बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने भी पत्थर फेंक रहे लोगों पर पथराव किया था। इसमें भी कई लोग घायल हैं।

बिहार विधान परिषद में 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद की 10 खाली सीटों पर आज सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो जाएंगे। नामांकन वापसी का आज अंतिम दिन है और किसी भी सीट पर विपक्षी दलों ने उम्मीदवार नहीं उतारा। परिणामस्वरूप चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया की जरूरत ही नहीं पड़ी।

बीजेपी, जदयू और लोजपा के उम्मीदवारों की सूचीः भाजपा ने भोजपुरी गायक व अभिनेता पवन सिंह, संजय मयूख, शीला पंडित और अनिल ठाकुर को मैदान में उतारा है। जदयू की ओर से भारती मेहता, निशांत कुमार, लल्लन प्रसाद, शिवानी देवी और सुनील कुमार सिंह ने नामांकन दाखिल किया। जबकि लोजपा (रामविलास) से अशरफ अंसारी उम्मीदवार हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चले जाने से खाली हुई सीट पर जदयू ने लल्लन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। उनका कार्यकाल 2030 तक रहेगा। शेष 9 सीटों का कार्यकाल 2032 तक होगा। इनमें से कुछ सीटें पहले से ही सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा के विधायक चुने जाने के कारण खाली थी।

28 जून को जिन 9 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। उनमें डॉ. कुमुद वर्मा, प्रोफेसर गुलाम गौस, मोहम्मद फारूक, भीष्म सहनी, भगवान सिंह कुशवाहा, संजय प्रकाश, समीर कुमार सिंह, सम्राट चौधरी और सुनील कुमार सिंह शामिल हैं।

राजद ने सुनील कुमार सिंह को दोबारा मौका दिया है जबकि भाजपा ने संजय मयूख को तीसरी बार विधान परिषद भेजा है। एनडीए की रणनीति के तहत जितनी सीटें खाली थी, उतने ही उम्मीदवार उतारे गए, जिससे चुनाव की नौबत ही नहीं आई।

राज्यसभा चुनाव के दौरान बागी तेवर के बावजूद एनडीए ने विधान परिषद में पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमेशा इस बात का ध्यान रखा जाता है कि सीटों के अनुपात में ही उम्मीदवार उतारे जाएं, ताकि निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो सके।

23 हजार रुपये मिलेगी सैलरी और कई लाभ !

10वीं पास युवाओं के लिए अहमदाबाद और बेंगलुरु में नौकरी, जाने कब और कहां लगेगा जॉब कैंप

खगड़िया, एजेंसी। बिहार के खगड़िया से बेरोजगार युवाओं के लिए राहत भरी खबर है। यहां 13 जून को जिला नियोजनालय में विशेष जॉब कैंप लगाया जाएगा, जहां 150 पदों पर 10वीं पास अभ्यर्थियों की भर्ती होगी। चयनित युवाओं को अहमदाबाद और बेंगलुरु में नौकरी, 23 हजार रुपये तक वेतन, हॉस्टल और लंच जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी।

विशेष जॉब कैंप का आयोजनः मिली जानकारी के मुताबिक जिला नियोजनालय की ओर से बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आगामी 13 जून 2026 को विशेष जॉब कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप जिला नियोजनालय परिसर, यातायात थाना के पास आयोजित होगा। सुबह 10 बजे से शाम 4बजे तक चलने वाले इस कैंप में इच्छुक कैंडिडेट 11 बजे से पहले आकर इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र की कंपनी करेगी भर्ती : बताया जा रहा है कि इस जॉब कैंप में निजी क्षेत्र की कंपनी Blink Commerce PvtÐ LtdÐ युवाओं की भर्ती करेगी। खगड़िया

और आसपास के जिलों के बेरोजगार युवाओं के लिए यह रोजगार पाने का बड़ा हो सकता है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तहत आयोजित इस कैंप में 150 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। कंपनी वेयरहाउस एसोसिएट पद के लिए उम्मीदवारों का चयन करेगी।

18 से 35 वर्ष आयु सीमाः भर्ती प्रक्रिया में 10वीं पास या उससे अधिक शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं। आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। अहमदाबाद और बेंगलुरु में मिलेगी नौकरी। साथ ही हॉस्टल, लंच जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी।

23 हजार रुपये तक वेतनः जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश के अनुसार अहमदाबाद के लिए 100 पद निर्धारित किए गए हैं, जहां चयनित अभ्यर्थियों को 16,584 रुपये मासिक वेतन मिलेगा। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु के लिए 50 पदों पर भर्ती होगी। यहां चयनित युवाओं को 23,558 रुपये तक मासिक वेतन मिलेगा। इस पैकेज में भी हॉस्टल और लंच की सुविधा शामिल रहेगी।

जिला नियोजनालय केवल सेवा प्रदाताः नियोजन अधिकारी ने बताया कि जिला नियोजनालय केवल सेवा प्रदाता की भूमिका निभाएगा।जॉब कैंप में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र और पासपोर्ट साइज के दो रंगीन फोटो साथ लाने होंगे।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे रंजन चौधरी की क्यों नहीं सुन रहा प्रशासन?

शिवहर , एजेंसी। बिहार के शिवहर जिले के पिपराही प्रखंड अंतर्गत बेलवा गांव में स॥-54 मिसिंग लिंक सड़क निर्माण परियोजना के अलाइनमेंट में कथित मनमाने बदलाव का मामला अब आंदोलन की शक्ल ले चुका है। समाजसेवी रंजन चौधरी सोमवार से बेलवा घाट स्थित हनुमान मंदिर परिसर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। उनके समर्थन में दर्जनों ग्रामीण भी धरना स्थल पर डटे हुए हैं।

क्या है विवाद? : रंजन चौधरी का आरोप है कि स॥-54 के मिसिंग लिंक निर्माण के लिए पहले भूमि मापी और सर्वेक्षण किया गया था। उसी सर्वे के आधार पर सड़क का मार्ग तय माना जा रहा था, लेकिन बाद में कुछ प्रभावशाली लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नया नक्शा तैयार कर दिया गया, जिसमें खाली पड़ी भूमि को छोड़कर सड़क को

आबादी वाले क्षेत्र और पक्के मकानों की ओर मोड़ दिया गया। इस बदलाव से 15 परिवारों के घर और एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय प्रभावित हो रहे हैं।

शिकायतें अनसुनी, फिर पुलिस बल का प्रयोग : रंजन चौधरी ने बताया कि इस मामले में कई बार स्थानीय अधिकारियों और संबंधित विभागों को लिखित शिकायतें दी गईं। निर्माण विभाग के अभियंता गजराज सिंह और मिथुन जय सिंह ने मौके पर जांच भी की और कहा कि अमीन की गलती है, सुधार होगा – लेकिन कुछ नहीं बदला। वर्ष 2024 में पिपराही प्रशासन द्वारा पुलिस बल का प्रयोग भी किया गया, जो ग्रामीणों के प्रतिरोध के सामने नाकाम रहा। अब भू-अर्जन कार्यालय का कैंप लगाकर ग्रामीणों पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।

'गांधी के रास्ते पर चलेंगे' : भूख हड़ताल की वजह बताते हुए रंजन चौधरी ने कहा – 'तानाशाही देखकर गांधीजी के रास्ते और सत्याग्रह का विचार आया। यह लोकतांत्रिक देश है, न्याय मिलेगा ही। लेकिन नहीं सुना गया तो फिर अंग्रेजों वाला हल किया जाएगा।' उन्होंने अधिकारियों पर तंज कसते हुए कहा कि हर दफ्तर में जाने पर अधिकारी सम्मान से बात तक नहीं करते। 'मर जाएंगे, मिट जाएंगे, लेकिन भूख हड़ताल से नहीं उठेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि अब तक कोई नेता, जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारी पानी पूछने तक नहीं आया।

घर छोड़ना मुमकिन नहीं' : धरना स्थल पर मौजूद राजकिशोर राय ने कहा कि ग्रामीण विकास के विरोधी नहीं हैं – निजी जमीन देने को भी तैयार हैं – लेकिन घर तोड़ना स्वीकार नहीं। उन्होंने कहा, ''तिनका-तिनका जोड़कर बनाया है घर, इसे कैसे छोड़ें? जो मकान सर्वे से पहले के हैं, उन्हें भी 'आगे बना है' बताया जा रहा है। हम बड़ी दुविधा में हैं।'' ग्रामीणों की मांग है कि सड़क का मूल सर्वेक्षण-आधारित अलाइनमेंट बहाल किया जाए और मनमाने बदलाव की उच्चस्तरीय जांच हो।

सीएम सम्राट चौधरी ने गूगल को बिहार में जीसीसी स्थापित करने का दिया न्यौता

नई दिल्ली/पटना , एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से आज बिहार भवन (नई दिल्ली) में गूगल इंडिया के वाईस प्रेसिडेंट चंदू थोटा के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि से संबंधित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

जीसीसी स्थापित करने का न्यौता : मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री ने बिहार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जीसीसी) नीति 2026 के अंतर्गत गूगल को राज्य में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने हेतु आमंत्रित किया। दोनों पक्षों ने बिहार के डिजिटल विकास को गति देने के लिए एक सुदृढ़ साझेदारी की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। मौके पर सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

दरअसल, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस साल नवंबर तक प्रदेश में 5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा है। जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो सके। इसको लेकर पिछले दिनों पटना में एआई सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। जिसमें देश-विदेश की कई नामी कंपनियों ने भाग लिया था। मुख्यमंत्री ने कंपनियों को बिहार में निवेश के लिए आमंत्रित भी किया और भरोसा दिलाया था कि उन्हें सरकार की तरफ से हर तरह की सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक दिन पहले ही बड़ा फैसला लिया है कि 30 दिन में उद्योग लगाने की स्वीकृति सरकार देगी। उद्योग जगत के लोगों का यह कहना था कि उन्हें सरकारी कार्यालय और अधिकारियों का चक्कर लगाना पड़ता है और उसी को लेकर यह बड़ा फैसला लिया गया है। अब गूगल जैसी बड़ी कंपनी को भी सम्राट चौधरी ने आमंत्रित किया है।दरअसल, सीएम सम्राट चौधरी दिल्ली दौरे पर गए हैं।

थाना हाजत में युवक की मौत, परिजन बोले पीट-पीटकर मार डाला

सुपौल, एजेंसी। बिहार के सुपौल स्थित जदिया थाना में पुलिस हिरासत के दौरान एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई है।जिले के कोरियापट्टी पूरब पंचायत के वार्ड संख्या 4 निवासी नंदन यादव के 25 वर्षीय बेटे बिट्टू कुमार की थाना हाजत में मौत हो गयी। घटना के बाद से बुधवार को पूरे इलाके में बवाल मचा रहा।

स्टेट हाईवे-91 जामः मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है, जबकि परिजनों ने कस्टडी में पिटाई कर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने थाना के सामने स्टेट हाईवे-91 को जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया।

परिजनों ने दी सूचनाः घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात बिट्टू कुमार शराब के नशे में घर पर हंगामा कर रहा था। स्थिति बिगड़ने पर परिजनों ने ही डायल-112 को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर जदिया थाना लाई। उसे थाना हाजत में रखा गया था। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह जब पुलिस कर्मी हाजत की जांच करने पहुंचे तो बिट्टू कुमार मृत अवस्था में मिला।

परिजनों का आरोपः हाजत में युवक की मौत की खबर आग की तरह फैल गई जिसके बाद थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। मृतक के परिजनों ने पुलिस के आत्महत्या के दावे को सिरे से खारिज करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि युवक को हिरासत में बेरहमी से पीटा गया, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। परिजनों का आरोप है कि मामले को आत्महत्या का रूप देकर सच्चाई को दबाने की कोशिश की जा रही है।

कार्रवाई की मांगः परिजनों के अनुसार

युवक के गले पर दबाव के निशान दिखाई दे रहे थे। इसी आधार पर उन्होंने निष्पक्ष जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक करने और दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

सड़क पर रखा शवः घटना के बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल ले जा रही थी। इसी दौरान थाना गेट के पास परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। लोगों ने पुलिस वाहन को रोक लिया और शव को नीचे उतारकर बीच सड़क पर रख दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। शव सड़क पर रखे जाने से माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी और यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

थाना बना पुलिस छावनीः वहीं घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमा सक्रिय हो गया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस, अनुमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विभाष कुमार, अंचलाधिकारी प्रियंका सिंह सहित कई थानों के पुलिस पदाधिकारी और जिला बल के जवानों की भारी तैनाती की गयी।

तनावपूर्ण हालातः थाना परिसर और आसपास का पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहे। आक्रोशित लोगों को शांत कराने में जुटे रहे।इस दौरान हालात लगातार तनावपूर्ण बने रहे।

लोगों में आक्रोशः घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। परिजन निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, हालांकि लोगों में आक्रोश बना रहा।

जांच रिपोर्ट पर टिकी नजरः फिलहाल पूरे मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उच्चस्तरीय जांच के बाद ही स्पष्ट होने की उम्मीद है। पुलिस हिरासत में हुई इस मौत ने एक बार फिर हिरासत सुरक्षा और पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एसपी के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सुपौल भेजा गया।

हाजत में मौत से उठे कई सवालः थाना हाजत के भीतर हुई इस घटना ने पुलिस की निगरानी व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर कई सवाल खड़े कर दिये हैं। यदि युवक ने आत्महत्या की है तो सवाल यह है कि थाना हाजत में उसकी निगरानी कैसे की जा रही थी।

संक्षिप्त समाचार

एक संगठन, दो अध्यक्षः सेल्फ फाइनेंस कॉलेज एसोसिएशन में कुर्सी को लेकर मचा घमासान, सदस्यों के बीच बढ़ा भ्रम

आगरा, एजेंसी। आगरा में सेल्फ फाइनेंस कॉलेज एसोसिएशन (एसएफसीए) में अध्यक्ष पद को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थिति यह है कि एक ही संगठन में दो नेता स्वयं को अध्यक्ष बता रहे हैं, जिससे संगठन के सदस्यों और पदाधिकारियों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। संगठन के वर्तमान अध्यक्ष होने का दावा कर रहे कृपाल सिंह चाहर का कहना है कि उनके पास वर्ष 2028 तक अध्यक्ष पद की वैध नियुक्ति है। ऐसे में संगठन के अध्यक्ष वही हैं और उनके कार्यकाल में किसी अन्य नियुक्ति का सवाल ही नहीं उठता। करीब एक सप्ताह पूर्व एसएफसीए की कोर कमेटी की ओर से मुनेंद्र जादौन को संगठन का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। मुनेंद्र जादौन का कहना है कि लंबे समय से संगठन में चुनाव नहीं कराए जा रहे थे। इसके चलते कोर कमेटी के सदस्यों से सहमति ली गई और सभी सदस्यों के हस्ताक्षरों तथा कॉल रिकॉर्डिंग के आधार पर उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों पक्षों के दावों के बीच संगठन के अन्य सदस्यों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

धरना-प्रदर्शन कर ई-आफिस के विरोध में की दिनभर नारेबाजी

अलीगढ़, एजेंसी। निबंधन कार्य को निजी हाथों में सौंपकर ई-आफिस खोले जाने के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल पांच दिन से जारी है। बुधवार को भी तहसील के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन कर अधिवक्ताओं ने प्रदेश सरकार के इस निर्णय के विरोध में दिन भर नारेबाजी की। अधिवक्ताओं की इस हड़ताल से पांच दिन से निबंधन कार्यालय में एक भी बैनामा नहीं हुआ है। तहसील में न्यायिक कार्य भी ठप है। दूर-दराज से आ रहे वादकारियों को तहसील के न्यायालयों में बिना सुनवाई के लौटना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन, युवा राजस्व बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि जब तक सरकार ई आफिस खोलने का फैसला वापस नहीं लेती, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। यह व्यवस्था अधिवक्ताओं और जनता दोनों के खिलाफ है। इस दौरान अरुण कुमार सिंह, विनेश कुमार सिंह, जयप्रकाश बघेल, प्रवीण कुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, चित्रवीर सिंह, सतीश शर्मा अनिल शर्मा, जितेंद्र सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। निबंधन कार्यालय में ई-आफिस के विरोध में तीन दिन से चल रही हड़ताल के समर्थन में स्टांप विक्रेता और टाइपिस्ट भी बृहस्पतिवार से शामिल होंगे। दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष गिर प्रसाद शर्मा एडवोकेट ने बताया कि संयुक्त बैठक में अधिवक्ताओं की हड़ताल का समर्थन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में देवेंद्र सिंह, तेज प्रकाश वशिष्ठ, कृष्ण कुमार, वीरेंद्र कुमार वशिष्ठ, महेश सिंह आदि मौजूद रहे।

2017 से 2021 के बीच प्रदेश में माफ हुए थे 13 लाख लोगों के चालान, इनमें से चार लाख को भरना होगा जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में वर्ष 2017 से 2021 के बीच सरकार की ओर से माफ किए गए करीब 13 लाख वाहनों के चालानों की फिर जांच होगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गंभीर अपराधों में हुए चालानों की माफी पर चिंता जताने के बाद यह निर्णय हुआ है। इसमें गंभीर अपराधों वाले चालानों को फिर सक्रिय किया जाएगा। परिवहन विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। चालान फिर सक्रिय करने के लिए तीन श्रेणियां तय की गई हैं। इससे माफ हुए चालानों में से करीब चार लाख (30 से 35 फीसदी) मामलों में सजा या जुर्माना हो सकता है।परिवहन विभाग चालानों की जांच के लिए सभी जिलों में एक कमेटी बनाएगा जो चालानों की समीक्षा करेगी। विभाग चिह्नित तीन श्रेणी के चालानों को खोजकर उन्हें फिर सक्रिय करेगा। इससे संबंधित वाहन मालिकों को उन चालानों को भरना होगा या नियमानुसार कार्रवाई होगी। दरअसल, सरकार ने एक तरफ से सभी चालान माफ कर दिए थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई थी। इसके बाद बीते दिनों सरकार ने अध्यादेश जारी कर कहा कि ऐसे गंभीर मामले जिनमें मौके पर या सिर्फ जुर्माना भरकर समझौता नहीं किया जा सकता है, उन चालानों को फिर से सक्रिय किया जाएगा। आदेश जारी होने के बाद परिवहन विभाग की ओर से जिला स्तर पर एक विशेष कमेटी बनाई जा रही है, जो श्रेणियों के अनुसार चालानों को एक्टिव करेगी।जिन तीन श्रेणी के चालानों की जांच होगी उनमें गैर शमनीय अपराधों, बार-बार यातायात नियम तोड़ने व ऐसे चालान जिन पर जेल की सजा तय है, शामिल हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच काटे गए नॉन टैक्स ई चालान की लंबित संख्या करीब 13 लाख थी। अधिकारी बताते हैं कि कुल 30.52 लाख ई चालान बने थे।इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण कर दिया गया था। यह आदेश पहली जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 तक के चालानों को लेकर था।वर्ष 2017 से 2021 के बीच माफ़ हुए चालानों को लेकर संशोधन आया है। इसमें शासन के निर्देश के अनुरूप कार्य किया जाएगा। कमेटियां बनेंगी, जो कार्रवाई कर विभाग को जानकारी देंगी।

सूखे के बीच राहत की फुहारें बरसाएगा अल नीनो

मौसम विभाग ने दी ये जानकारी

कानपुर, एजेंसी। प्रशांत महासागर में अल नीनो के मजबूत होने से मानसूनी बारिश कम होने और सूखा पड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है लेकिन अल नीनो प्रभाव में भी बारिश होती है। सिर्फ सूखे दिनों की संख्या बढ़ जाती है। बारिश के दिनों के बीच की अवधि लंबी हो जाती है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चला कि अल नीनो प्रभाव के मजबूत होने से जून में बारिश कम हुई लेकिन सितंबर-अक्तूबर तक खिंच गई।

अल नीनो में प्रशांत महासागर की सतह गर्म हो जाती है। मानसून प्रभावित होता है। अल नीनो का चक्र हर दो और सात साल में आता है। यह प्रभाव नौ से 12 महीने तक सक्रिय रहता है। वर्ष 1982, 89, 91, 97 और वर्ष 2015 में अल नीनो प्रभाव बहुत मजबूत रहा है। जब इन वर्षों में बारिश का आंकड़ा देखा गया तो इस दौरान भी काफी बारिश हुई पर अधिक बारिश अगस्त, सितंबर में हुई। इसकी अवधि अक्तूबर और नवंबर तक खिंच गई।

सीएसए के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि अल नीनो के अधिक मजबूत प्रभाव वाले वर्षों में बारिश हुई है। फर्क यह आता है कि लगातार बारिश नहीं हुई। बारिश के दिनों के बीच का गैप बढ़ गया। बीच के दिनों में सूखा रहा।

यह गैप कभी 20 दिन से एक महीने तक हो सकता है पर बीच में एक बार में इकट्ठी बारिश हो जाती है। इसके अलावा लंबी दूरी तक पानी नहीं गिरता। स्थानीय स्तर पर अलग-अलग टुकड़ों में बारिश होती है।

अल नीनो कमजोर होने पर होती लंबी दूरी तक बारिश : अल नीनो कमजोर होने पर मानसूनी बारिश अच्छी होती है और लंबी दूरी तक होती है। अल नीनो के अधिक मजबूत होने पर पॉकेट वर्षा होती है। एक जगह पानी गिरता है और दूसरी जगह सूखा रहता है। इसके मानसून के सूखे दिनों की संख्या कम होती है और इनके बीच का अंतर कम होता है।

गवाह मरे और सुबूत खोए, मुख्य मुल्जिम बन गया गवाह, 34 साल बाद धुला

'नकली दवा' बेचने का कलंक

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में जूही पुलिस व ड्रग इंस्पेक्टर ने छापा मारकर 34 साल पहले नकली दवा बनाने का कारखाना पकड़ने का दावा किया। वर्ष 1992 में रिपोर्ट दर्ज हुई। वर्ष 2009 में मुकदमा सेशन कोर्ट पहुंचा और 17 साल चली कानूनी प्रक्रिया के दौरान जहां एक अभियुक्त की मौत हो गई। वहीं ज्यादातर गवाहों का भी निधन हो चुका था।

सिर्फ दो गवाह ही कोर्ट में पेश किए जा सके और पर्याप्त सुबूत न होने के कारण अपर जिला जज 15 मुकेश कुमार सिंह ने आरोपी को बरी कर दिया। पुलिस टीम ने ड्रग इंस्पेक्टर के साथ 26 मार्च 1992 को एक मकान में छापा मारकर वहां छोटी जूही परमपुरवा निवासी उमाशंकर वाजपेई को दवा की बोतल सील करते पकड़ने का दावा किया था।

दोनों के खिलाफ दर्ज की थी रिपोर्ट : उमाशंकर ने उन्नाव में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत शारदानगर निवासी लक्ष्मीनारायण कटियार को भागीदार बताया था, जिसके बाद पुलिस ने जूही थाने में उमाशंकर और लक्ष्मीनारायण के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। बाद में लक्ष्मीनारायण की नामजदगी गलत पाते हुए विवेचना के बाद उमाशंकर वाजपेई और महेशचंद्र श्रीवास्तव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी।

दोनों मामलों की एक साथ सुनवाई हुई : महेशचंद्र की इस दौरान मौत हो गई। जूही थाने में 1992 में रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ ही ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा जनवरी 1993 में उमाशंकर के खिलाफ एक परिवाद भी कोर्ट में दाखिल कर दिया गया। जुलाई 2009 में मामला सेशन कोर्ट पहुंचा। दोनों मामलों की एक साथ सुनवाई हुई।

संदेह का लाभ देते हुए उमाशंकर को बरी कर दिया

इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर के साथ ही ज्यादातर गवाहों की मौत हो चुकी थी, जो दो गवाह बचे थे वह पुलिस के ही थे। अभियोजन ने इन्हें ही अदालत में पेश किया, लेकिन यह गवाह भी अभियोजन की कहानी को कोर्ट में साबित नहीं कर सके। इस पर कोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए उमाशंकर को बरी कर दिया।

इन कमियों का मिला लाभ

ड्रग इंस्पेक्टर ने परिवाद में महेश को अभियुक्त न बनाकर गवाह बनाया था, जबकि एफआईआर से संबंधित चार्जशीट में महेश अभियुक्त था। एक ही मामले में महेश अभियुक्त और गवाह दोनों कैसे बना इसे स्पष्ट नहीं किया गया।

जो सैंपल लिया गया था वह मानक के अनुरूप पाया गया।

शीशी में दवा भरने के उपकरण जब्त करने की बात तो कही गई थी लेकिन उपकरण कोर्ट में पेश नहीं किए गए।

12 जून से बेनियाबाग में शुरू होगा मोहम्मद शाहिद स्मृति ओपन नाइन ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी शहर में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने और युवा खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनारस स्पोर्टिंग क्लब की ओर से मोहम्मद शाहिद स्मृति ओपन नाइन ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 12 जून से बेनियाबाग मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता में काशी की 15 तथा प्रयागराज की एक टीम सहित कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जाएगा।

बनारस स्पोर्टिंग क्लब के सचिव नूर आलम ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन महापौर द्वारा किए जाने की संभावना है। टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन दो मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए 16 मैच ऑफिशियल की सेवाएं ली जाएंगी। सभी मैच यूपी फुटबॉल संघ से प्रशिक्षित रेफरियों की देखरेख में कराए जाएंगे, जिससे खेल की निष्पक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 11 मैच खेले जाएंगे। विजेता टीम को आकर्षक ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा उपविजेता टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक मैच के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और विजेता टीमों को आर्थिक पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी मैचों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।नूर आलम ने बताया कि बनारस स्पोर्टिंग क्लब की एक विशेष पहचान उसकी पारंपरिक वेशभूषा है। क्लब के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भी लाल रंग की टी-शर्ट और लाल रंग की हाफ पैंट पहनकर मैदान में उतरेंगे।

अनुपात, औसत से जुड़े सवालों में उलझे परीक्षार्थी

वाराणसी में 12661 ने छोड़ी परीक्षा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के 50 केंद्रों पर पुलिस की सिपाही भर्ती परीक्षा का समापन बुधवार को हुआ। अंतिम दिन 28.5 फीसदी ने परीक्षा छोड़ दी। यानी पंजीकृत कुल 44064 परीक्षार्थियों में से 12661 ने परीक्षा छोड़ी। हालांकि, परीक्षार्थियों ने प्रश्न पत्र को कठिन बताया। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने बताया कि गणित के प्रश्न बेहद मुश्किल थे। प्रतिशत, दूरी-दिशा, लाभप्रतिशत, अनुपात और औसत से जुड़े सवाल हल करने में काफी समय लग गया।

अभ्यर्थियों ने बताया हिंदी, तार्किक क्षमता और सामान्य ज्ञान के करीब 120 प्रश्न पूछे गए। सामान्य ज्ञान में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस और प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म जैसे विषय शामिल थे।

जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परीक्षा के अंतिम दिन पहली पाली में 15672 ने परीक्षा दी और 6360 ने छोड़ दी। दूसरी पाली में 15831 ने परीक्षा दी और 6201 ने छोड़ दी। दोनों ही पालियों में औसत 28.5 फीसदी ने परीक्षा छोड़ी। उन्होंने बताया कि परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। पेपर देने पहुंचे अभ्यर्थियों की केंद्र के बाहर गहन जांच की गई। शर्ट की बांह खुलवाकर, जूते उतरवाकर जांच होने के बाद प्रवेश दिया गया। इसके बाद रेटिना और फिंगरप्रिंट स्कैन किया गया।

तीन दिन में 38 हजार से ज्यादा ने छोड़ी परीक्षा : यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा वाराणसी में भी 8 जून से 10 जून तक यह परीक्षा 6 पालियों में हुई। परीक्षा के लिए 1,32,192 अभ्यर्थी पंजीकृत थे लेकिन तीनों दिन की परीक्षा में कुल 37976 अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्र पर नहीं पहुंचे। कुल 93,616 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। इसमें पहले दिन 13053, दूसरे दिन 12362 और अंतिम दिन 12561 अनुपस्थित रहे।

दिन भर कैंट रेलवे स्टेशन पर रही भीड़, जैसे-तैसे लोगों ने की यात्रा : परीक्षा के कारण लगातार तीन दिनों तक कैंट रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ रही। परीक्षा के अंतिम दिन बुधवार को कैंट स्टेशन से 1.50 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। सर्कुलेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म तक यात्रियों के अलावा परीक्षार्थियों की भीड़ रही। सबसे ज्यादा बिहार, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ रूट की ट्रेनों में भीड़ दिखी।एसी कोच में भी लोगों ने जनरल की तरह यात्रा की। स्टेशन पर भीड़ को देखते हुए आरपीएफ, जीआरपी के साथ ही यूपी पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। आरपीएफ इंस्पेक्टर संदीप यादव ने बताया कि भीड़ नियंत्रण के तहत आरक्षण कराने वाले यात्रियों को पहले जगह दिलाई गई।

पुलिस का 'सीक्रेट पार्सल' ऑपरेशन

कूरियर पहुंचने से पहले दबोचे गए जालसाज, ऐसे खुला खेल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में फर्जी मार्कशीट गिरोह के पकड़े गए चारों आरोपी हसन आसिफ, जियाउल हसन उर्फ समीर, नूरुद्दीन और आमिर अहमद को मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया। पूर्व में किदवईनगर से गिरफ्तार जेल भेजे गए राघव सर्राफ और फर्जी मार्कशीट छाप रहे हसन आसिफ के बैंक खातों से पुलिस को लेनदेन के साक्ष्य मिले थे। पुलिस ने हसन की निगरानी शुरू की, तो वह अक्सर कूरियर कंपनी में पार्सल देते पाया गया। पुलिस ने कूरियर कंपनी को दिए गए एक ऐसे ही संदिग्ध पार्सल को जब्त किया, तो उन्हें बेकनगंज में फर्जी मार्कशीट और प्रमाणपत्र छापने वाले छपाई कारखाने का सुराग मिल गया। इस तरह से पुलिस ने छपाई कारखाने का भंडाफोड़ किया।

इस ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर अभय सिंह ने बताया कि आसिफ एक कूरियर कंपनी में पार्सल देकर चला गया। इसके बाद पुलिस कूरियर बुकिंग दफ्तर पहुंची। वहां के कर्मचारी से दिए गए पार्सल के बारे में पूछा। पहले उसने बताने में आनाकानी की, लेकिन थोड़ी सख्ती करते ही उसने पार्सल पुलिस को सौंप दिया। पार्सल देखने में हूबहू हैदराबाद में मनीष के पास से, गाजियाबाद में राघव के पास से और किदवईनगर में शैलेंद्र के पास मिले पार्सल जैसा ही था। इस पर भेजने और पाने वाले का नाम कोड में लिखा था। जिसे पार्सल देना है उसके कोड नेम संग मोबाइल नंबर लिखा मिला।

जियाउल हसन समेत चारों को गिरफ्तार कर लिया : पुलिस ने पार्सल खोला तो उसमें भारी संख्या में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की फर्जी मार्कशीट और प्रमाणपत्र मिले। सभी पड़ोसी जिले के इंटर कॉलेज के नाम पर छापे गए थे। अधिकतर में 65 से 85 प्रतिशत अंक भी थे। गिरोह के सदस्यों को शक न हो इसके लिए हूबहू संदिग्ध पार्सल जैसा दूसरा पार्सल तैयार कर उसमें सादे कागज भरकर उसे दिल्ली में उसी पते पर कूरियर कर दिया गया। इधर पुलिस ने कूरियर के दिल्ली पहुंचने से पहले ही कार्रवाई करते हुए बेकनगंज में जियाउल हसन समेत चारों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पुलिस की एक टीम दिल्ली में भी सक्रिय कर दी गई है।

बेकनगंज के युवक ही हैं कनाडा में एजेंट : पुलिस ने बताया कि बेकनगंज इलाके के रहने वाले भावीन, वारी और असलम कनाडा में फर्जी मार्कशीट गिरोह के लिए बतौर एजेंट काम कर रहे थे। कनाडा और ब्रिटेन में कॉमर्स सेक्टर के लोगों की मांग ज्यादा है। इसके चलते बीकॉम आदि की मार्कशीट की वहां से मांग ज्यादा आती है। बीकॉम वाले लोगों को वहां जल्दी और अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिल जाती है। ऐसे में एजेंट वहां से मांग बताते और यहां से मार्कशीट व डिग्री बनाकर ऑनलाइन भेज दी जाती है।

दो फर्जी अभ्यर्थियों सहित मददगार को भी जेल भेजा

अलीगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान पकड़े गए दो फर्जी अभ्यर्थियों और एक मददगार साइबर कैफे संचालक को बुधवार को जेल भेज दिया गया। तीन दिवसीय इस परीक्षा में अब तक कुल तीन फर्जी अभ्यर्थी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। परीक्षा में बायोमीट्रिक सत्यापन और केवाईसी जांच से फर्जी अभ्यर्थियों की पहचान हुई थी।

डीएस कॉलेज परीक्षा केंद्र पर बायोमीट्रिक टीम ने राजस्थान के धौलपुर के निवासी हरिगोविंद सिंह के नाम पर परीक्षा देने आए एक युवक को संदिग्ध पहचान पत्र के साथ दबोचा था। सख्ती से हुई पूछताछ में उसने अपना असली नाम श्याम सुंदर निवासी मध्य प्रदेश स्वीकार किया।

आरोपी ने बताया कि वह पिछली परीक्षा में फेल हो गया था। दोबारा मौका पाने के लिए उसने आगरा के पिनाहट में साइबर कैफे चलाने वाले अपने दोस्त मौजी की मदद से अपना पुराना पहचान पत्र ब्लॉक करवाया। इसके बाद नाम और जन्मतिथि बदलकर नया फर्जी पहचान पत्र और शैक्षणिक दस्तावेज तैयार करवा लिए।

जिला अस्पताल में गहराया बिजली संकट

एक घंटे तक अंधेरे में रहा पर्ची व दवा काउंटर; परेशानी

वाराणसी, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में गुरुवार सुबह बिजली आपूर्ति बाधित होने से मरीजों और तीमारदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह करीब नौ बजे तक अस्पताल के कई हिस्सों में अंधेरा छाया रहा, जिससे पर्चा बनाने, दवा वितरण और ओपीडी सेवाओं पर असर पड़ा। बिजली आपूर्ति बहाल होने के बाद ही अस्पताल की व्यवस्था सामान्य हो सकी।

अस्पताल परिसर में इन दिनों मेडिकल कॉलेज की नई ओपीडी के निर्माण का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान जगह-जगह खुदाई की जा रही है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मंगलवार देर रात निर्माण कार्य में लगे मजदूरों से विद्युत केबल कट गई थी। इसके कारण अस्पताल परिसर के भूतल पर स्थित पर्चा काउंटर, दवा काउंटर और ओपीडी हॉल की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई।

हालांकि रात में कुछ हिस्सों में बिजली बहाल कर दी गई थी, लेकिन पूरी व्यवस्था सामान्य नहीं हो सकी। गुरुवार सुबह जब ओपीडी काउंटर खुला तो बिजली न होने के कारण पर्चा बनाने का काम प्रभावित रहा। दवा काउंटर पर भी अंधेरे के कारण कर्मचारियों और मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे अव्यवस्था की स्थिति बन गई।इसी दौरान अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने बिजली संकट को गंभीरता से लिया। उन्होंने अधिकारियों से इस प्रकार की समस्या दोबारा न होने देने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने जिलाधिकारी से फोन पर वार्ता कर लोक निर्माण विभाग और अस्पताल प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर समस्या का स्थायी समाधान कराने को कहा।अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कौशल सिंह ने बताया कि केबल कटने के बाद इलेक्ट्रिक पैनल में खराबी आ गई थी, जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई। तकनीकी टीम ने मरम्मत कार्य कर सुबह लगभग नौ बजे आपूर्ति बहाल कर दी। उन्होंने कहा कि अब अस्पताल की सभी सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं और भविष्य में ऐसी स्थिति न आए, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

यूपी पुलिस भर्ती की फर्जी आधार कार्ड से परीक्षा देने आए अभ्यर्थी को दबोचा

मेरठ, एजेंसी। यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा सामने आया है। अलीगढ़ के एक अभ्यर्थी सौरभ को खेकड़ा के गांधी इंटर कॉलेज में फर्जी आधार कार्ड के साथ पकड़ा है। वह दूसरी बार परीक्षा देने आया था, जिसकी जानकारी बायोमेट्रिक जांच में सामने आई।

सौरभ ने इससे पहले 8 जून को मेरठ के राम सहाय इंटर कॉलेज में भी परीक्षा दी थी। बुधवार को खेकड़ा के गांधी इंटर कॉलेज में सुबह की पाली में वह फर्जी आधार कार्ड लेकर पहुंचा था। कॉलेज के गेट पर बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठा लगाते ही उसकी पहचान हो गई। मशीन ने बताया कि वह पहले ही परीक्षा दे चुका है।

केंद्र व्यवस्थापक और प्रधानाचार्य उमेश चौहान की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस और केंद्र व्यवस्थापक ने सौरभ से सख्ती से पूछताछ की। उसने बताया कि मेरठ में इस्तेमाल किए गए आधार कार्ड में जन्मतिथि एक अप्रैल 1997 थी। उस आधार कार्ड में उसका नाम सौरभ सही लिखा था। खेकड़ा में वह जिस आधार कार्ड को लेकर आया था, उसमें जन्मतिथि 26 जनवरी 1996 थी। इस आधार कार्ड में नाम सौरभ लिखा था, जो फर्जी था।

-फर्जीवाड़े का तरीका : सौरभ ने बताया कि उसने फर्जी आधार कार्ड इसलिए बनवाया था ताकि वह एक परीक्षा देकर फायदा उठाना चाहता था। इसके बाद दूसरी जगह परीक्षा देकर पास होने की संभावना बढ़ाना चाहता था। उसका उद्देश्य किसी भी एक परीक्षा में सफल होना था।

पुलिस की कार्रवाई और जांच : केंद्र व्यवस्थापक उमेश चौहान की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। अभ्यर्थी सौरभ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच अधिकारी प्रभाकर कैंतुरा ने बताया कि अलीगढ़ के अभ्यर्थी को पकड़ा गया है। वह फर्जी आधार कार्ड लेकर दूसरी बार परीक्षा देने आया था।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजक्लिक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, एफआईआर और ईसीआईआर रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी फंडिंग के आरोपों पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) द्वारा की गई प्राथमिकी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इसीआइआर को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद कर दिया है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि अगर प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों को पूरी तरह मान भी लिया जाए, तो भी आइपीसी की धारा 406 और 420 के तहत अपराध के जरूरी तत्व नहीं बनते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी प्राथमिकी को जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है, इसलिए इओडब्ल्यू की प्राथमिकी और ईडी द्वारा दर्ज इसीआइआर को रद किया जाता है। पीठ ने फैसला सुनाया कि यह माना गया है कि अगर मुख्य अपराध के तहत दर्ज प्राथमिकी रद हो जाती है, तो इसीआइआर भी अपने आप रद हो जाती है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की शिकायत पर अगस्त 2020 में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि न्यूजक्लिक को अमेरिका की वर्ल्डवाइड मीडिया होल्डिंग्स एलएलसी से एफडीआइ के तौर पर 9.59 करोड़ रुपये मिले थे। यह पैसा एफडीआइ नियमों से बचने के लिए शेयर के ज्यादा मूल्यांकन वाले लेन-देन के जरिए लिया गया था। आरोप था कि इस फंड का एक बड़ा हिस्सा सैलरी, कंसल्टेंसी फीस और दूसरे खर्चों के नाम पर निकाल लिया गया। ठीक से जांच के बाद, प्राथमिकी की कापी प्रवर्तन निदेशालय को भेजी गई और इसीआइआर दर्ज की गई थी।

दिल्ली के 48 मंजिला डीडीए टावरिंग हाईट्स में फ्लैट बुकिंग की डेडलाइन बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एक आधिकारिक आदेश जारी कर पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित अपनी ''डीडीए टावरिंग हाइट्स'' आवासीय योजना के लिए बुकिंग अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत बुकिंग की अंतिम तिथि मूल रूप से मार्च के अंत तक थी, जिसे मई के अंत तक बढ़ाया गया था। आदेश में कहा गया है, 'उपरोक्त के क्रम में, उक्त योजना के तहत फ्लैटों की बुकिंग अवधि 30 जून तक बढ़ा दी गई है। यह विस्तार व्यक्तिगत खरीदारों के साथ-साथ सरकारी एजेंसियों को भी उपलब्ध फ्लैटों की थोक खरीद का एक अतिरिक्त अवसर प्रदान करता है।' एनबीसीसी के परियोजना प्रबंधन पर्यवेक्षण के तहत, डीडीए की टावरिंग हाइट्स को एक प्रीमियम आवासीय पते के रूप में डिजाइन किया गया है। इसमें 48 मंजिला, 155 मीटर ऊंचा टावर है, जो इसे दिल्ली की सबसे ऊंची आवासीय इमारत बनाता है। यह दिल्ली की ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति के तहत विकसित शहर की पहली आवासीय परियोजना है।

बंद फ्लैट से 42 साल के व्यक्ति की सड़ी-गली लाश मिलने से मचा हड़कंप

नईदिल्ली, एजेंसी। कालकाजी थाना क्षेत्र स्थित एक बंद फ्लैट से बुधवार को व्यक्ति की सड़ी-गली लाश मिली है। सुबह दुर्गंध आने पर लोगों का इसका पता चला। मृतक की पहचान 42 वर्षीय लोन एडवाइजर सूरज कुमार के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भिजवा दिया। डीडीए फ्लैट्स कालकाजी स्थित मकान नंबर जे 1/283 बनवारी लाल का है। इनके फ्लैट में जे 4/131ए निवासी सूरज पत्नी साधना व नौ वर्षीय व छह वर्षीय दो बच्चों समेत 25 अगस्त 2025 से रह रहे थे। गर्मियों में स्कूल की छुट्टी होने पर बच्चे व पत्नी गांव गए हुए थे। फ्लैट कई दिनों से बंद चल रहा था। किसी ने ध्यान भी नहीं दिया। मकान मालिक बनवारी के मुताबिक सुबह कमरे से तेज दुर्गंध आने पर आस-पास के लोग जुटे। दरवाजा अंदर से लाक था। खिड़की का प्लाई किसी तरह हटाकर अंदर झांकने पर सूरज जमीन पर पड़े नजर आए।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम

नोएडा-गाजियाबाद में छाए काले बादल; चल रही धूल भरी आंधी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बृहस्पतिवार को फिर मौसम बदल गया है। एनसीआर क्षेत्र में सुबह से काले बादल छाए हुए हैं और धूल भरी आंधी चल रही है। इससे सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए पूर्वानुमान जारी किया है कि बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 70 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार तेज हवाएं चलने के साथ हल्की होने की भी संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 41 व 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। शुक्रवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए आरेंज जबकि शुक्रवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

इससे पहले बुधवार को भी उमस भरी भीषण गर्मी की चुभन जारी रही। अधिकांश इलाकों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। हीट इंडेक्स 48 डिग्री से भी ऊपर चला गया। हालांकि मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से मानसून पूर्व की गतिविधियों बढ़ने का पूर्वानुमान दिया है, जिसमें तेज हवाओं के साथ वर्षा हो सकती है और भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है।

बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हीट इंडेक्स 48.4 डिग्री दर्ज किया गया। पालम और रिज सबसे गर्म स्थान रहे, जहां तापमान क्रमशः 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः 3.4 डिग्री और 3.3 डिग्री अधिक है।

मंगलवार रात हुई वर्षा से बुधवार को राजधानी में दिन की शुरुआत अपेक्षाकृत ठंडी रही। न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री कम 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले की तुलना में यह 9.0 डिग्री कम था। हवा में नमी का स्तर 84 से 29 प्रतिशत दर्ज किया गया।

दिल्ली के डीबीजी रोड पर दो चचेरे भाइयों से लूटपाट की कोशिश

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य दिल्ली के डीबीजी रोड इलाके में चार बदमाश दो चचेरे भाइयों से मारपीट कर लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहे थे। तभी गश्त पर निकले पुलिसकर्मियों ने दो आरोपितों को

मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, उनके दो साथी मौके से फरार होने में सफल रहे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान करोल बाग के दिनेश उर्फ बिल्ली और राज कुमार उर्फ बाबू लाल के रूप में हुई है। दोनों को गिरफ्तार कर एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। फिलहाल उनके फरार दोनों साथियों का पता किया जा रहा है।

मध्य दिल्ली के उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, आठ जून को शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने चचेरे भाई के साथ करोल बाग से सिद्धीपुरा लौट रहा था। रात लगभग 11:35 बजे जब वे कालकादास चौक के पास पहुंचे, तभी स्कूटी पर सवार चार युवकों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि एक आरोपी ने बोरी सिलने वाले सुआं निकालकर शिकायतकर्ता के चचेरे भाई की छाती पर तान दी।

पर्स और दस्तावेज लूटे

इसी दौरान दूसरे आरोपित ने शिकायतकर्ता को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिससे उसके माथे पर चोट आई। शिकायतकर्ता के चचेरे भाई को भी छाती और हाथ पर चोटें आईं। आरोपितों ने शिकायतकर्ता का पर्स, जिसमें एक हजार नकद और पहचान संबंधी दस्तावेज थे, लूट लिया।

इसके अलावा दोनों पीड़ितों के मोबाइल फोन भी लूट लिए। तभी गश्त पर निकले पुलिस वाले मौके पर पहुंच गए। पुलिस वालों को देख चारों भागने लगे। हालांकि दिनेश और राज कुमार को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। दोनों पर पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं।

दिल्ली में शादी के दो महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, पति पर दहेज हत्या का मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। गांधी नगर थानाक्षेत्र के अजीत नगर में एक 20 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करवाया है। वहीं, ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार रोजी खातून मूल रूप से बिहार के कटिहार की रहने वाली थीं और उनका निकाह इसी वर्ष 30 मार्च को अजीत नगर निवासी अंसार अली से हुआ था। नहीं मिला सुसाइड नोट शादी के कुछ समय बाद ही वह अपने पति के साथ दिल्ली आकर रहने लगी थीं। चार जून की शाम को उन्हें अचेत अवस्था में जग प्रवेश चंद्र

अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पति का कहना है कि रोजी ने फंदा लगाकर आत्महत्या की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया। फोरेंसिक और क्राइम टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया, लेकिन वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतका के स्वजन दिल्ली पहुंचे और उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही रोजी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। उनका कहना है कि आरोपी पति दो लाख रुपये की मांग कर रहा था और मांग पूरी न होने पर रोजी के साथ मारपीट करता था। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें घटना की जानकारी सीधे ससुराल पक्ष से नहीं, बल्कि पड़ोसियों के माध्यम से मिली। फिलहाल पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच एसडीएम की निगरानी में की जा रही है।

दिल्ली में मैट्रिमोनियल साइट पर बिछाया प्यार का जाल, 7 महिलाओं से 60 लाख ठग गया 'फर्जी अफसर'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उत्तर जिला पुलिस की तिमारपुर थाना टीम ने एक बड़े मैट्रिमोनियल फ्राड सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए ऐसे आरोपित को गिरफ्तार किया है, जो खुद को कभी आइएफएस अधिकारी, कभी सीबीआइ अधिकारी तो कभी जामिया मिल्लिया इस्लामिया में प्रोफेसर बताकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। आरोपित की पहचान सिकंदरा राव, हाथरस के गौरी शंकर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपित ने आनलाइन मैट्रिमोनियल प्लेटफार्म और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से महिलाओं से संपर्क कर शादी का झांसा दिया। वह भावनात्मक रूप से विश्वास जीतने के बाद उनसे पैसे ऐंठता था। अब तक सात पीड़ित महिलाओं की पहचान की जा चुकी है, जिनसे आरोपित ने करीब 60 लाख रुपये की ठगी की है।

शादी का वादा कर बनाए करीबी संबंध

उपयुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 19 मई को तिमारपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करते हुए महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपित ने खुद को विधुर बताकर उससे संपर्क किया और शादी का वादा कर उसके साथ करीबी संबंध बनाए। इस दौरान उसने अपनी मां की बीमारी समेत विभिन्न बहाने बनाकर महिला और उसके परिवार से लाखों रुपये तथा कीमती सामान हासिल कर लिया।

शिकायतकर्ता से ही आरोपित ने करीब 11 लाख रुपये ठगे। बाद में महिला का संपर्क एक अन्य महिला से हुआ, जिसने खुद को आरोपित की कानूनी पत्नी बताया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर पंकज तोमर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें महिला उपनिरीक्षक दीपिका, एएसआइ बलवान और हेड कांस्टेबल रामबीर यादव शामिल थे।

55 साल की टीचर का 16 वर्षीय छात्र पर आया दिल: चंद दिनों में 600 कॉल व 19 हजार मैसेज

वाशिंगटन, एजेंसी। एक स्कूल की 55 वर्षीय महिला टीचर पर अपने 16 वर्षीय छात्र के साथ कथित तौर पर अनुचित संबंध रखने के आरोप ने अमेरिका में चर्चा छेड़ दी है। जांच में दावा किया गया है कि महिला ने महज तीन महीनों के भीतर छात्र को 19,000 से अधिक टेक्स्ट मैसेज भेजे और दोनों के बीच करीब 600 फोन कॉल्स भी हुईं। आरोपी की पहचान अमांडा काट्ज के रूप में हुई है, जो एक स्कूल में टीचर और प्रशासनिक सहायक (एडमिन असिस्टेंट) के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस के अनुसार दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच दोनों के बीच लगातार संपर्क बना रहा।

मां को पता चला तो खुला मामला- रिपोर्ट के मुताबिक, मामले का खुलासा तब हुआ जब छात्र की मां को महिला और किशोर के बीच हुए संदेशों की जानकारी मिली। एक पारिवारिक यात्रा के दौरान कुछ संदेश सामने आए, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई। जांच एजेंसियों ने दोनों के बीच हजारों संदेशों और सैकड़ों कॉल्स का रिकॉर्ड बरामद किया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, कई संदेशों में महिला ने छात्र के प्रति गहरे भावनात्मक लगाव का जिक्र किया था। जांच दस्तावेजों के अनुसार, एक संदेश में महिला ने कथित तौर पर लिखा, मैं तुम्हारे बारे में सोचना बंद नहीं कर पा रही हूं। वहीं एक अन्य संदेश में उसने कहा, मैं तुम्हारे लिए पागल हूं। पुलिस का दावा है कि दोनों के बीच भविष्य की योजनाओं, रिश्ते और इस संबंध को दूसरों से छिपाकर रखने जैसे विषयों पर भी बातचीत हुई थी। जांचकर्ताओं के अनुसार, छात्र ने बताया कि महिला ने उसे कुछ उपहार भी दिए थे। इनमें एक पॉकेट नाइफ और एक गेमिंग डिवाइस शामिल था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महिला ने कथित तौर पर छात्र को उसके परिवार से दूर जाकर उसके साथ नई जिंदगी शुरू करने का सुझाव दिया था। बाद में जब छात्र ने दूरी बनानी शुरू की, तो महिला ने कई भावनात्मक संदेश भेजे और अपना दिल टूटने की बात कही।

फिलीपीन में भीषण भूकंप के बाद 2100 झटकों से दहशत, 35000 बेघर

सैंटोस, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपीन के जनरल सैंटोस शहर में सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 2,100 से अधिक झटके आए। इससे बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है। 7.8 की तीव्रता वाले भूकंप में मरने वालों की संख्या 45 हो चुकी है, जबकि 17 लोग लापता हैं। अधिकतर मौतें इमारतों के ढहने से गिरे मलबे और भूस्खलन के कारण हुईं। भूकंप के चलते करीब 35 हजार लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। जनरल सैंटोस में बचावकर्मी हेलमेट पहनकर आंशिक रूप से ढहे हुए किराना स्टोर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक और तेज झटका महसूस हुआ। इसके बाद झुकी हुई इमारत से मलबा गिरने लगा। सुरक्षा अधिकारी ने सीटी बजाकर और अन्य कर्मियों ने चिल्लाकर करीब 30 दमकलकर्मियों तथा तटरक्षक बल के जवानों को सुरक्षित स्थान पर जाने की चेतावनी दी। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेसा मिया टैक्टाक्विन-बेटोया ने बताया कि जिस किराना स्टोर में बचाव अभियान चलाया जा रहा था, उसकी दो ऊपरी मंजिलें मुख्य भूकंप में ढह गई थीं। वहां एक लापता कर्मचारी की तलाश की जा

रही थी। उन्होंने कहा, झटका काफी तेज था। इसलिए तुरंत अलार्म बजाया गया ताकि आसपास मौजूद लोग बाहर निकल सकें।

भूकंप के चलते जनरल सैंटोस का अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा भी प्रभावित हुआ है, जिसके कारण उसे अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। केवल राहत सामग्री और आपदा राहत कर्मियों को ले जाने वाली सरकारी तथा सैन्य उड़ानों को अनुमति दी जा रही है। प्रशासन के मुताबिक प्रभावित प्रांतों में लगभग 6,000 सरकारी स्कूल भवनों का सुरक्षा मूल्यांकन किया जाना है, जिसके बाद ही कक्षाएं फिर शुरू हो सकेंगी।

इंडोनेशिया, पलाऊ व जापान तक पहुंचीं लहरें: भूकंप के बाद समुद्र में ज्वार स्तर से 1.4 मीटर ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जिससे कम से कम एक व्यक्ति समुद्र में बह गया और उसकी मौत हो गई। इंडोनेशिया, पलाऊ और दक्षिणी जापान के तटों पर भी छोटी लहरें पहुंचीं, जिसके बाद सुनामी चेतावनी वापस ले ली गई। जनरल सैंटोस के निकट सात तैराक भी भूकंप के तुरंत बाद तेज समुद्री धाराओं में बह गए। इनमें तीन को तटरक्षक बल ने बचा लिया, एक तैरकर किनारे पहुंच गया, एक की मौत हो गई और दो अब भी लापता हैं। शक्तिशाली भूकंप के चलते फिलीपीन में कम से कम 630 लोग घायल हुए हैं।

होर्मुज सभी जहाजों के लिए बंद हैं', बढ़ते तनाव के बीच ईरानी सेना का बड़ा एलान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी जहाजों के लिए बंद करने का एलान किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि इस मार्ग से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जा सकता है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा और अमेरिका के नए सैन्य हमलों के बाद यह फैसला लिया गया है। आदेश के अनुसार तेल टैंकरों, मालवाहक जहाजों और अन्य सभी प्रकार के समुद्री जहाजों की आवाजाही तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है। ईरानी मीडिया के मुताबिक होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक बलों और आईआरजीसी की नौसेना के बीच भारी तनाव और गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं। आईआरजीसी नौसेना का दावा है कि उसने दो ऐसे जहाजों को निशाना बनाया जो उसकी अनुमति के बिना जलडमरूमध्य से गुजरने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच अमेरिका ने ईरान के कई तटीय इलाकों पर नए हमले शुरू किए हैं। रिपोर्टों के अनुसार बंदर अब्बास, सीरिक, किश्म द्वीप और हेंगाम द्वीप समेत कई स्थानों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों के बाद दक्षिणी ईरान के कई इलाकों में विस्फोटों की खबरें आई हैं। मिनाब काउंटी के करगान क्षेत्र में अमेरिकी हमले के बाद दो स्थानीय निवासी घायल होने की भी सूचना है। उधर अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पुष्टि की है कि उसकी सेना ने ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त 'आत्मरक्षा संबंधी' हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की लगातार आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

ट्रंप को मोदी से माफी मांगनी चाहिए: अमेरिकी गायिका मिलबेन ने भारत-यूएस रिश्तों को मजबूत करने की अपील की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मेरी मिलबेन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध कमजोर पड़ गया है। ऐसा राष्ट्रपति ट्रंप के सलाहकारों की गलत सलाह की वजह से हुआ है। मिलबेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक माफी उधार है और ट्रंप को जी-7 शिखर बैठक के दौरान माफी मांगनी चाहिए।

मिलबेन ने कहा, ट्रंप को फ्रांस में होने वाले इस शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल पीएम मोदी के साथ रिश्ते सुधारने के लिए करना चाहिए। मिलबेन, भारत-अमेरिका के मजबूत रिश्तों की मुखर समर्थक हैं और उन्होंने दोनों देशों के मौजूदा संबंधें पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हमने निश्चित रूप से राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल के दौरान बहुत अपनापन देखा। निश्चित रूप से, जब 2019 में प्रधानमंत्री हाउडी मोदी रैली के लिए ह्यूस्टन आए थे, तो हमने दोनों नेताओं के बीच जो अपनापन देखा, वह बहुत असली था और मेरा मानना है कि वह रिश्ता

असली है। लेकिन मौजूदा प्रशासन के दौरान यह तालमेल कुछ कमजोर पड़ा है।

अमेरिकी गायिका ने कहा, मौजूदा अमेरिकी प्रशासन को भारत के साथ साझेदारी के रणनीतिक महत्व के बारे में गलत सलाह दी गई है। भारतीय विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देते हुए, मिलबेन ने हाल ही में यह भी कहा था कि मोदी को ट्रम्प की हर टिप्पणी का जवाब देने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें भारतीयों के हित में काम जारी रखना चाहिए। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित करने के पाकिस्तान व चीन के साझा प्रयास को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान व चीन ने पिछले साल सितंबर में सुरक्षा परिषद में बीएलए तथा मजीद ब्रिगेड को परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत प्रतिबंधित करने के लिए संयुक्त प्रस्ताव रखा था। बताया जाता है कि अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने इस महीने इस कोशिश पर लगाम लगा दी। ये तीनों देश सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार रखने वाले स्थायी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि इफ्तिखार अहमद ने कहा था कि आईएसआईएल-के, अलकायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान में मौजूद पनाहगाहों से गतिविधियां चलाते हैं। अफगानिस्तान स्थित 60 से ज्यादा ऐसे आतंकी शिविर सीमापार से घुसपैठ और हमले कराने के लिए काम कर रहे हैं।

संपादकीय

तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की आवाज है अलग होना

पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का जैसा रुख देखने में आ रहा है, उससे एक बार फिर यही साफ होता है कि देश की राजनीति में अब सुविधा और तात्कालिक लाभ की प्रवृत्ति तेजी से हावी होती जा रही है। इस क्रम में शुचिता, नैतिकता और सिद्धांतों की जगह सिकुड़ती जा रही है और कुछ नेताओं के लिए सत्ता का संरक्षण तथा उसकी सुविधा ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो चुकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में अट्ठावन विधायकों ने तृणमूल कांग्रेस से अलग होने की घोषणा कर दी थी।

अब पार्टी के बीस सांसदों ने भी बागी रुख अख्तियार करते हुए केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का समर्थन करने का फैसला किया है। हालांकि अलग हुए विधायकों ने खुद को इन सांसदों से अलग बताया है, लेकिन इतना साफ है कि पश्चिम बंगाल में हार के बाद पार्टी पर ममता बनर्जी का नियंत्रण कमजोर हुआ है और सबको साथ या एकजुट रख पाना उनके लिए मुश्किल साबित हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस से अलग होने वाले विधायकों और सांसदों के अपने तर्क हैं और उनका कहना है कि वे पार्टी के भीतर तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की आवाज बुलंद कर रहे हैं। सवाल है कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत की स्थिति में भी क्या इन सांसदों और विधायकों के भीतर तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की ऐसी ही फिक्र होती! लोकतंत्र के लिए इस तरह की चिंता तभी क्यों सामने दिखती है, जब चुनाव में किसी पार्टी की हार हो जाती है? यों देश के लोकतांत्रिक ढांचे में किसी नेता को यह अधिकार है कि एक पार्टी में शामिल होने या उससे

अलग होने के बारे में वह खुद क्या तय करता है। इस लिहाज से देखें, तो तृणमूल कांग्रेस से अलग होने वाले विधायकों और सांसदों के अलग-अलग समूहों का पार्टी से नाता तोड़ना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। मगर यही जब सत्ता के साथ जुड़े रहने की सुविधा से जुड़ जाता है, तो लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ-साथ कुछ सैद्धांतिक जिम्मेदारियों से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। यह बेवजह नहीं है कि अलग होने वाले सांसदों को तृणमूल कांग्रेस की ओर से यह चुनौती दी गई है कि अगर उनके लिए सिद्धांत और नैतिकता की कोई अहमियत है, तो उन्हें इस्तीफा देकर फिर से चुनाव जीत कर आना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों से मजबूत सैद्धांतिक असहमति के बिना भी अपनी मूल पार्टी से अलग होने की एक विचित्र रिवायत-सी बनती चली जा रही है। कई नेता जिस पार्टी और उसकी नीतियों के प्रति अपनी आस्था जाहिर कर जनता से समर्थन मांगते हैं और चुनाव में जीत हासिल करते हैं, उसे एक झटके में छोड़ देने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती, बशर्ते अपेक्षया ज्यादा लाभ और सुरक्षा का आश्वासन मिले। करीब चार वर्ष पहले महाराष्ट्र में सिर्फ सत्ता के लिए शिवसेना से अलग हुए गुट ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पार्टी के साथ खड़ा होना ज्यादा बेहतर समझा था। विडंबना यह है कि चूंकि दल-बदल कानून के तहत दो-तिहाई सदस्यों के अलग होने को तकनीकी तौर पर गलत नहीं माना जाता, इसलिए ऐसे नेताओं के सामने कोई अड़चन पेश नहीं आती। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर जिस तरह की उथल-पुथल चल रही है, वह भारतीय राजनीति में जड़ पकड़ चुकी ऐसी राजनीति का एक और उदाहरण है, जिसमें नीतियों और सिद्धांतों के आधार पर मतदाताओं का समर्थन तथा शुचिता पर आधारित लोकतांत्रिक परंपरा की उम्मीद बेमानी हो रही है।

एच-1बी वीजा विवाद

अमेरिका में नौकरी का सपना संजोए कुशल भारतीय पेशेवरों की उम्मीदें फिर से जिंदा हो गई हैं। वहां की एक संघीय अदालत के फैसले ने एच-1बी वीजा पाने की उनकी राह फिलहाल आसान कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पिछले साल इस वीजा के आवेदन पर लगाए गए एक लाख डॉलर के शुल्क को अदालत ने अवैध करार दिया है। साथ ही कहा कि इसके लिए अमेरिकी कांग्रेस से विधिवत मंजूरी नहीं ली गई थी।

यह फैसला भारत समेत अन्य देशों में ही नहीं, बल्कि अमेरिकी समाज के एक वर्ग में भी रोजगार-आधारित आव्रजन प्रणाली के लिए न्यायसंगत कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह बात छिपी नहीं है कि कुशल वैश्विक प्रतिभाओं का अमेरिका के प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा एवं उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और यह एच-1बी वीजा से ही संभव हो पाया है। मगर, ट्रंप प्रशासन 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के जरिए वहां की कंपनियों पर दूसरे देशों से कुशल पेशेवरों की आवक को कम करने का

दबाव बनाते रहे हैं। एच-1बी एक अस्थायी प्रवास वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को उन विशिष्ट व्यवसायों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनमें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। वहां की प्रौद्योगिकी कंपनियां प्रत्येक वर्ष भारत और चीन जैसे देशों से हजारों की संख्या में कुशल कर्मियों की भर्ती के लिए इस वीजा पर निर्भर रहती हैं। अमेरिका की ओर से हर साल करीब 65,000 एच-1बी वीजा जारी किए जाते हैं और इसे पाने वालों में भारतीय पेशेवरों की तादाद अच्छी-खासी होती है। मगर, ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल सितंबर में घोषणा की थी कि जो कंपनियां इस श्रेणी के वीजा पर किसी विदेशी पेशेवर को नौकरी देंगी, उन्हें एक लाख डॉलर का शुल्क देना होगा, जबकि पहले यह राशि दो हजार से पांच हजार डॉलर तक थी। उसके बाद से न केवल एच-1बी वीजा पाने वालों की संख्या में खासी कमी आई, बल्कि अमेरिका में कार्यरत कई भारतीयों को स्वदेश लौटना पड़ा। मगर, अब संघीय अदालत की ओर से इस आदेश को रद्द कर दिए जाने से भारतीय पेशेवरों को बड़ी राहत मिली है।

आज का कार्टून

इंडिया गठबंधन की बैठक के राजनीतिक मायने...

इंडिया गठबंधन अभी समाप्त नहीं हुआ हैः सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि तमाम मतभेदों, चुनावी झटकों और सहयोगी दलों की नाराज़गी के बावजूद विपक्षी दलों ने एक साझा मंच बनाए रखने का निर्णय लिया। 23 दलों की भागीदारी ने कांग्रेस को यह कहने का अवसर दिया कि गठबंधन अभी भी प्रासंगिक है। दूसरा, 2029 की तैयारी अभी से शुरू हो गईः बैठक का प्रमुख उद्देश्य केवल वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना नहीं था, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी था। विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक व्यापक राष्ट्रीय नैरेटिव गढ़ने की कोशिश में दिखा। कांग्रेस फिर से समन्वयक की भूमिका मेंः बैठक से यह संकेत मिला कि कांग्रेस गठबंधन की धुरी बनी रहना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकता पर जोर दिया और केंद्र सरकार के विरुद्ध साझा संघर्ष का आह्वान किया

कमलेश पांडे

विगत दो-तीन वर्षों में कांग्रेस की सियासी बिसात पर अपना अपना-सबकुछ लुटा-पिटा देने के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगियों की जो 'नई दिल्ली बैठक' हुई, उसके राजनीतिक मायने कांग्रेस के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए। क्योंकि इस बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आवाज ध्यान से सुनी गई और उनके नेतृत्व को तथा उनकी पार्टी को गाहे-बगाहे चुनौती देने वाले क्षेत्रीय दलों के सुरमा भोपाली नेता दबी जुबान में अपनी भावना प्रकट करने को अभिशप्त हुए। खासकर नेशनल कांफ्रेंस के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को छोड़कर।

इसलिए यह बैठक केवल एक नियमित विपक्षी बैठक तक सीमित नहीं रही, क्योंकि यह बैठक ऐसे समय हुई, जब कई सहयोगी दलों और कांग्रेस के बीच मतभेदों की बढ़ती-घटती खबरें सामने आई थीं, इसलिए इसके संदेश पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, 8 जून को इंडिया (ढ्ढहृष्ढ्ढ) गठबंधन की बैठक में लगभग 23 दलों के राजनेता शामिल हुए। बैठक में विपक्षी दलों ने अपनी एकजुटता दिखाने और आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, बैठक में लगभग 23 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिनमें मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सुप्रिया सुले के अलावा प्रमुख वामपंथी दलों के अनेक नेता उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की नीतियों, विदेश नीति और मतदाता सूची पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जबकि विपक्षी दलों ने संसद और सड़क दोनों स्तरों पर समन्वित आंदोलन चलाने तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा रुख अपनाने पर चर्चा की। साथ ही, 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी, विपक्षी एकता और गठबंधन के भविष्य की दिशा भी बैठक के एजेंडे में शामिल रही।

बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल पर मंथन हुआ। फिर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई गई और संसद में विपक्षी दलों के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के बीच तालमेल और राजनीतिक सहयोग होने की पुष्टि की गई।

वहीं, इस बैठक की कतिपय चुनौतियां भी सामने आईं, क्योंकि जहां तमिलनाडु में सत्ता से बेदखल हुई छ्ब्ध ने कांग्रेस से नाराजगी होने के चलते इस बैठक से दूरी बनाई, जिससे गठबंधन के भीतर मतभेदों की चर्चा तेज रही। वहीं, आप के सुप्रीमो अरबिंद केजरीवाल की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। जबकि कुछ अन्य सहयोगी दलों की भूमिका और भागीदारी को लेकर भी सवाल बने रहे।

जहां तक इंडिया गठबंधन की इस बहुप्रतीक्षित बैठक के राजनीतिक मायने की बात है तो यह बैठक लोकसभा चुनाव 2024 के बाद विपक्ष की सबसे महत्वपूर्ण गैर-संसदीय बैठकों में से एक मानी जा रही है। जिसके माध्यम से विपक्ष ने संदेश देने की कोशिश की कि मतभेदों के बावजूद भाजपा के खिलाफ साझा मंच अभी कायम है। वहीं, भाजपा ने छ्ब्ध की अनुपस्थिति और अन्य अंतर्विरोधों को लेकर गठबंधन की एकता पर सवाल उठाए हैं। इस बैठक के सबसे बड़े राजनीतिक निष्कर्ष निम्नलिखित हैः-

पहला, इंडिया गठबंधन अभी समाप्त नहीं हुआ हैः सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि तमाम मतभेदों, चुनावी झटकों और सहयोगी दलों की नाराज़गी के बावजूद विपक्षी दलों ने एक साझा मंच बनाए रखने का निर्णय लिया। 23 दलों की भागीदारी ने कांग्रेस को यह कहने का अवसर दिया कि गठबंधन अभी भी प्रासंगिक है। दूसरा, 2029 की तैयारी अभी से शुरू हो गईः बैठक का प्रमुख उद्देश्य केवल वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना नहीं था, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी था। विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक व्यापक राष्ट्रीय नैरेटिव गढ़ने की कोशिश में दिखा।

तीसरा, कांग्रेस फिर से समन्वयक की भूमिका मेंः बैठक से यह संकेत मिला कि कांग्रेस गठबंधन की धुरी बनी रहना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकता पर जोर दिया और केंद्र सरकार के विरुद्ध साझा संघर्ष का आह्वान किया। चौथा, गठबंधन की कमजोरी भी उजागर हुईःएम. के. स्टालिन की डीएमके और अरविंद केजरीवाल की आप का बैठक से दूर रहना बताता है कि विपक्षी एकता अभी भी कई अंतर्विरोधों से घिरी हुई है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इस बैठक का बिहार की राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राजद नेता तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय मंच मिला। बैठक में तेजस्वी यादव की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि वे केवल बिहार तक सीमित नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। वहीं, बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का संदेशभी गया। ऐसे में यदि कांग्रेस, राजद और वाम दल तालमेल बनाए रखते हैं तो बिहार में एनडीए के खिलाफ विपक्षी चुनौती अपेक्षाकृत मजबूत रह सकती है।

वहीं, जाति और सामाजिक न्याय की राजनीति को भी बल मिला। क्योंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय, जातीय गणना और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को साथ उठाते रहे हैं। बैठक से संकेत मिला कि यह विपक्ष का प्रमुख राजनीतिक एजेंडा बना रह सकता है। जहां तक 2029 के लोकसभा चुनाव पर संभावित प्रभाव की बात है तो इसका सकारात्मक पक्ष यह रहा कि भाजपा के विरुद्ध एक साझा राष्ट्रीय मंच बना रहता है। वहीं, संसदीय मुद्दों पर समन्वय बढ़ सकता है। साथ ही क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच संवाद कायम रहने की संभावना बनी रहती है। वहीं, जहां तक चुनौतियों की बात है तो सीट बंटवारा सबसे बड़ी समस्या रहेगा। क्योंकि कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। वहीं, डीएमके और आप जैसी पार्टियों की दूरी गठबंधन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश यह रहा कि इंडिया गठबंधन ने अपने अस्तित्व और प्रासंगिकता का प्रदर्शन करने की कोशिश की। लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि अपने भीतर की एकता बनाए रखना है। बिहार में इसका तात्कालिक लाभ महागठबंधन को मिल सकता है, जबकि 2029 के लिए यह बैठक विपक्षी पुनर्गठन की शुरुआत मानी जा सकती है- हालांकि सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सहयोगी दल भविष्य में अपने मतभेद कितनी प्रभावी ढंग से सुलझा पाते हैं।

क्या राहुल दो-दलीय लोकतांत्रिक सिस्टम की आहट पहचान गए ?

अब आठ जून की रात इंडिया गठबंधन के सुपर स्टार राहुल गांधी जी का एक्स पोस्ट का संज्ञान लीजिए, रात 9.30 पर अपने पोस्ट में राहुल गांधी लिखते हैं कि 'यूसुफ पठान को गुजरात से अधीर रंजन के खिलाफ चुनाव लड़ाने के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। अधीर रंजन को हराने में ममता बनर्जी और भाजपा की राजनीतिक मशीनरी ने मिलकर भूमिका निभाई थी। यूसुफ पठान को लेकर यह धारणा लंबे समय से रही है कि वे मोदी के करीबी माने जाते हैं।' अब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बीच का समन्वय को समझते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अपने कोटे से तृणमूल कांग्रेस को भदोही सीट दी थी जहां ललितेश पति त्रिपाठी टीएमसी के कैंडिडेट थे।

एक देश-एक चुनाव

अवतांष चित्रांश

एक देश, एक चुनाव- का मुद्दा केवल चुनावी सुधार के सवाल तक नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों के भविष्य से भी जुड़ गया है। बिहार चुनाव से पहले जब केन्द्र की भाजपा सरकार ने जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया था। कांग्रेस और विपक्षी दल खासकर राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी ने इसका क्रेडिट खुद लिया। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश चुनाव में विधानसभा चुनाव होने से पहले ही देश का लोकतांत्रिक सिस्टम दो दलीय हो जाएगा। मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं कि आठ जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कांग्रेस को सलाह दी कि उसे क्षेत्रीय दलों के महत्व को स्वीकार करना चाहिए,क्योंकि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में क्षेत्रीय दलों की भूमिका निर्णायक है। बैठक के बाद जो मीडिया रिपोर्ट आई हैं उसके हिसाब अखिलेश यादव ने कहा कि क्षेत्रीय दल खुले तौर पर कहते हैं कि वे कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं, लेकिन कांग्रेस अक्सर अपने सहयोगी दलों का उसी तरह उल्लेख नहीं करती। और अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाने को कहा है।

आप कह सकते हैं कि मैं यह टिप्पणी जल्दी कर रहा हूं। लेकिन आपको यह लेख पढ़ते हुए यह याद रखना होगा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में आम आदमी पार्टी नहीं पहुंची थी जो पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए सिरदर्द है। आम आदमी पार्टी की जन्मभूमि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव कांग्रेस के खिलाफ प्रचार किए थे। चलिए, आप कह सकते हैं, कि दिल्ली व उत्तर प्रदेश की राजनीति अलग है। लेकिन सवाल ये नहीं है कि दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश के समीकरण क्या हैं? सवाल ये है कि बिहार, पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद क्या देश दो दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरफ बढ़ रहा है।

अब आठ जून की रात इंडिया गठबंधन के सुपर स्टार राहुल गांधी जी का एक्स पोस्ट का संज्ञान लीजिए, रात 9.30 पर अपने पोस्ट में राहुल गांधी लिखते हैं कि 'यूसुफ पठान को गुजरात से अधीर रंजन के खिलाफ चुनाव लड़ाने के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। अधीर रंजन को हराने में ममता बनर्जी और भाजपा की राजनीतिक मशीनरी ने मिलकर भूमिका निभाई थी। यूसुफ पठान को लेकर यह धारणा लंबे समय से रही है कि वे मोदी के करीबी माने जाते हैं।'

अब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बीच का समन्वय को समझते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अपने कोटे से तृणमूल कांग्रेस को भदोही सीट दी थी जहां ललितेश पति त्रिपाठी टीएमसी के कैंडिडेट थे। ललितेश कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलापति त्रिपाठी के परपौत्र हैं। और कांग्रेस से विधायक रहे हैं। बनारस में कांग्रेस का पर्याय रहा इनका परिवार अजय राय के उत्थान से नाराज होकर टीएमसी चला गया। ममता बनर्जी की हार के बाद अखिलेश यादव सॉलिडैरिटी में कलकत्ता पहुंचते हैं और कांग्रेस पर तंज करता हुआ एक पोस्ट करते हैं-हम मुश्किल में साथ नहीं छोड़ते हैं। राजनीतिक पंडित भले ही बैठक में अखिलेश यादव की टिप्पणी को केवल कांग्रेस की आलोचना ना माने,और मान लेते हैं कि राजनीति में मोल भाव का अपना तरीका होता है। लेकिन इंडिया गठबंधन की बैठक में क्षेत्रीय दलों की बेचैनी और बैठक खत्म होने की चंद घंटों बाद ही राहुल गांधी का ममता बनर्जी को सीधे तौर पर भाजपा का एजेंट बताना। सिर्फ सीटों की तौलाई नहीं है बल्कि क्षेत्रीय दलों के भाजपा विरोधी छवि के खिलाफ बड़ा नैरेटिव स्थापित करने का संकेत भी है। बहुत संभव है कि आने वाले कुछ दिनों में राहुल गांधी अरविन्द केजरीवाल और उनकी पार्टी पर भी भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाए। यह वो संकेत है जो दो- दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरफ इशारा करते हैं।

इस बैठक के बाद यह तो तय है कि पंजाब विधानसभा चुनावों में भाजपा-कांग्रेस-आम आदमी पार्टी अलग अलग चुनाव लड़ेंगे। लेकिन राघव चड्ढा और कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाजपा के पाले में आने के बाद समीकरण अभी और बदलेंगे। लेकिन उत्तर प्रदेश में क्या होगा? क्या समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा या कांग्रेस किसी और दल के साथ संभावना तलाश रही है। चूंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन बेहद सफल रहा था। दोनों दलों ने मिलकर भाजपा को कड़ी चुनौती दी और राज्य में विपक्ष की वापसी का आधार तैयार किया। इसलिए मुमकिन नहीं है कि दोनों दल गठबंधन तोड़े। लेकिन सीट बंटवारे पर खींचतान आखिरी तक जारी रहेगी। ठीक इलास्टिक की तरह, वह किस प्वाइंट पर टूटेगी ये कोई नहीं जानता है, या फिर खींचतान में लचीली हो जाए। दोनों ही स्थिति में कांग्रेस को फायदा होगा। टूट गई तो सपा खत्म और लचीली रही तो कांग्रेस को यूपी में फैलने का मौका मिलेगा। और दो-दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की राह आसान होगी।

ऐसे में पंजाब और उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों से पहले यदि केन्द्र सरकार परिसीमन एक्ट पारित करा लेती है। चूंकि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार देशव्यापी परिसीमन 2026 में होने वाली पहली जनगणना के प्रकाशित आंकड़ों पर आधारित होना है। सुप्रीम कोर्ट का भी आदेश दिया है कि 2027 की जनगणना के आंकड़े आने से पहले देशव्यापी परिसीमन नहीं हो सकता। इन सबको देखते हुए तो यही लगता है कि 2029 का लोकसभा चुनाव परिसीमन के बाद 850 सीटों पर होगा। और संभव है कि फरवरी 2027 में संभावित पंजाब, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 6 महीने के लिए स्थगित हो जाए।

श्रीलंका दौरे पर 9 साल बाद जाएगी टीम इंडिया

WTC 2025-27 का हिस्सा होंगे टेस्ट मैच

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था और पारी व 300 रन से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। मगर यह टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा नहीं था। अब टीम इंडिया 15 अगस्त 2026 से एक बार फिर अपना ड्ब्ल्यूष्ट 2025-27 का अभियान शुरू करेगी। इस संस्करण में यहां से भारत के लिए हर मुकाबले में जीत दर्ज करना लगभग जरूरी है। भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरे के लिए दो मैचों की टेस्ट सीरीज के शेड्यूल की जानकारी क्रिकबज ने शेयर की है। इस दौरे पर टीम इंडिया दो टेस्ट मैच खेलेगी। 9 साल बाद भारतीय टीम श्रीलंका का दौरा करेगी। आखिरी बार 2017 में टीम इंडिया ने विराट कोहली की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया था और 3-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। अब 9 साल बाद भारतीय टीम शुभमन गिल की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा करेगी।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का शेड्यूल

पहला टेस्ट : 15-19 अगस्त 2026, गॉल
दूसरा टेस्ट : 23-27 अगस्त 2026, कोलंबो (SSC)

WTC अंकतालिका में भारत -श्रीलंका का हाल

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में मौजूदा हाल की बात करें तो श्रीलंका टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है। श्रीलंकाई टीम ने अभी तक 2 मैच खेले हैं जिसमें से एक में उसे जीत मिली है और एक मैच ड्रॉ हुआ है। श्रीलंका का विनिंग पर्सेंटाइल 66.67 प्रतिशत है। जबकि भारतीय टीम अंकतालिका में बांग्लादेश से भी नीचे छठे स्थान पर है। भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली सीरीज में घर पर बुरी तरह हाल झेलनी पड़ी थी। भारतीय टीम ने मौजूदा संस्करण में 9 मैच खेले हैं जिसमें से 4-4 मैच टीम ने जीते और हारे हैं। एक मैच ड्रॉ हुआ है। भारत का विनिंग पर्सेंटाइल 48.15 प्रतिशत है। भारतीय टीम को यहां से अगर फाइनल में जगह बनानी है तो श्रीलंका, न्यूजीलैंड दौरे के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज (बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी) में जीत दर्ज करनी होगी।

भारत के लिए शानदार टेस्ट डेब्यू

7 विकेट लेकर बने प्लेयर ऑफ द मैच; अब मानव सुतार को इंग्लैंड की काउंटी टीम ने किया साइन

नई दिल्ली। भारतीय टीम के लिए हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट डेब्यू के बाद मानव सुतार को इंग्लैंड के एक काउंटी क्लब ने साइन किया है। इंग्लिश काउंटी क्लब वार्विकशायर ने भारतीय खिलाड़ी को मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप के सीजन के अगले दो राउंड के लिए साइन किया है। इसकी घोषणा क्लब के द्वारा बुधवार को की गई। मानव ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में कुल सात विकेट दोनों पारियों में झटके थे और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने थे। वार्विकशायर ने उन्हें साइन करने के बाद आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब मानव सुतार को शॉर्ट-टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के बाद काफी उत्साहित है। भारतीय इंटरनेशनल क्रिकेटर मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप के अगले दो राउंड में सेलेक्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' मानव सुतार 12 जून को वार्विकशायर और यॉर्कशायर के बीच होने वाले मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद अगले हफ्ते समरसेट के खिलाफ मैच के लिए भी वह मौजूद रहेंगे। क्लब के परफॉर्मेंस डायरेक्टर जेम्स थॉमस ने भी मानव का टीम में स्वागत किया। वहीं भारतीय गेंदबाज ने भी क्लब के लिए आने वाले दिनों में खेलने के लिए उत्सुकता जाहिर की।

ICC टेस्ट रैंकिंग

ब्रूक नंबर वन बल्लेबाज बने, भारतीय कप्तान गिल आठवें स्थान पर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने पहला स्थान हासिल किया है। ब्रूक ने साथी खिलाड़ी और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। भारतीय कप्तान गिल को 2 स्थान का फायदा हुआ है। गिल आठवें स्थान पर चले गए हैं। लॉर्ड्स में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के दौरान पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद ब्रूक नंबर एक स्थान पर आ गए। ब्रूक पहली बार दिसंबर 2024 में शीर्ष स्थान पर पहुंचे थे। मैच में पचास से अधिक रन बनाने वाले केवल दो खिलाड़ियों में से एक ब्रुक थे। ब्रूक ने पहली पारी में 56 रन बनाए थे। ट्रेविस हेड दूसरे स्थान पर आ गए हैं। हेड को एक स्थान का फायदा हुआ है। जो रूट के लिए लॉर्ड्स टेस्ट अच्छा नहीं रहा था। दोनों पारियों में वह एक और आठ रन ही बना पाए थे। इसका उन्हें नुकसान हुआ है। रूट दो स्थान खिसकर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शतक लगाया था। इस शतक की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर वह आठवें स्थान पर आ गए। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर है। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान उपर चढ़कर पांचवें स्थान पर चले गए हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन छठे स्थान पर हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बवुमा सातवें स्थान पर हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक पायदान उपर चढ़कर दसवें स्थान पर चले गए हैं।

महिला टी20 विश्व कप

इन गेंदबाजों के नाम है सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 12 जून से हो रही है। इंग्लैंड में आयोजित हो रहा यह इवेंट टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण है। आइए देखते हैं कि पिछले 9 संस्करणों में किन दस गेंदबाजों ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।

- महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान स्कट के नाम है।
- मेगान ने 2016 से 2024 के बीच खेले 29 मैचों में 48 विकेट लिए हैं।
- दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल दूसरे नंबर पर हैं। इस्माइल ने 2009 से 2023 के बीच 32 मैचों में 43 विकेट लिए हैं।
- इंग्लैंड की ए श्रूबसोले तीसरी सफल गेंदबाज हैं। 2010 से 2020 के बीच 27 मैचों में उन्होंने 41 विकेट लिए।
- चौथे नंबर पर सर्वाधिक टी20 विश्व कप मैच खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं।
- पेरी ने 2009 से 2024 के बीच 47 मैचों में 40 विकेट लिए हैं।
- वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर ने 2009 से 2024 के बीच 35 मैचों में 33 विकेट लिए हैं, वे पांचवीं सफल गेंदबाज हैं।
- छठे नंबर पर न्यूजीलैंड की एमिलिया केर हैं। 2018 से 2024 के बीच 18 मैचों में केर ने 32 विकेट लिए हैं।
- दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप और वेस्टइंडीज की डियाड्रा डॉटिन संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं।
- कैप ने 2009 से 2024 के बीच 32 मैचों में 31 और डॉटिन ने 2009 से 2024 के बीच 35 मैचों में 31 विकेट लिए हैं।
- इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन, न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं।
- एक्लेस्टन ने 2018 से 2024 के बीच 18 मैच में 29 और डिवाइन ने 2009 से 2024 के बीच 38 मैच में 29 विकेट लिए हैं।
- भारत की पूनम यादव, वेस्टइंडीज की ए फ्लेचर और पाकिस्तान की निदा डार संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। पूनम ने 2014 से 2020 के बीच 18 मैचों में 28, फ्लेचर ने 2016 से 2024 के बीच 23 मैचों में 28 और डार ने 2010 से 2024 के बीच 33 मैचों में 28 विकेट लिए हैं।

इंडिया ए ने अफगानिस्तान को दिया था 349 रन का लक्ष्य

● वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

दांबुला (एजेंसी)। इंडियाए और अफगानिस्तान, श्रीलंका में खेले जा रहे ट्राई नेशन सीरीज के दूसरे मैच में आमने सामने हैं. दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ए ने 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाए हैं. जिसमें वैभव (44), प्रभसिमरन (84), गायकवाड़ (66), तिलक वर्मा (66) और शेगडे (40) ने अहम पारियां खेलीं. वहीं अफगानिस्तान की तरफ से अब्दुल्लाह अहमदजई ने 5 और फरमानुल्लाह ने 3 विकेट हासिल किए। बारिश रुकने के बाद मैच दोबारा शुरू हो गया था, लेकिन ष्ठरुस्न की वजह से अब अफगानिस्तान ए को 38 ओवर में 294 रनों का टारगेट मिला है. भारत ने 49 ओवर में 9 विकेट पर 349 रन बनाए थे।

बेन स्टोक्स को बीच सीरीज टीम से किया गया बाहर

जो रूट करेंगे कप्तानी; जोफ्रा आर्चर की भी हुई एंट्री

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और साथी गेंदबाज गस अटकिंसन के ऊपर नाइट क्लब मामले के बाद तलवार लटक रही है। इसी के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बीच दूसरे मुकाबले से पहले दोनों को टीम से बाहर कर दिया गया। स्टोक्स की जगह जो रूट को अंतरिम कप्तान बनाने की घोषणा की गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की तरफ से बुधवार (10 जून) को यह जानकारी शेयर की गई। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड इस बात की पुष्टि करता है कि मौजूदा जांच के चलते बेन स्टोक्स और गस अटकिंसन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। यह मुकाबला 17 जून से किया ओवल में खेला जाएगा। यॉर्कशायर के बैटर जो रूट टीम के अंतरिम कप्तान बनेंगे। ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और एसेक्स के जॉर्डन कॉक्स को भी स्क्वाड में जोड़ा गया है।'

दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड का स्क्वाड

जो रूट (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैश्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रियू, ओली रॉबिन्सन, जेमी स्मिथ, जोश टंग।

बोर्ड ने दी थी जांच की जानकारी

सोमवार को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्च) ने कहा था कि नाइट क्लब में हुए मामले को लेकर कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस अटकिंसन की जांच की जा रही है। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के न्यूजीलैंड को 115 रन से हराने के बाद यह मामला सामने आया था। बोर्ड ने इस मामले पर बयान जारी किया था। बोर्ड ने कहा था, 'ईसीबी अभी इस मामले में जांच कर रही है और पता लगा रही है कि टीम के प्रोटोकॉल (नियमों) का पहले टेस्ट मैच के बाद उल्लंघन हुआ है या नहीं।

बेन स्टोक्स और गस अटकिंसन इस मामले के दौरान नाइट क्लब में सोमवार की सुबह मौजूद थे। हम इस पर अधिक जानकारी जुटा रहे हैं। जब सभी पुख्ता जानकारी मिल जाएंगी उसके बाद ही इस मामले पर कोई अन्य अपडेट दिया जाएगा।' न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में जीत के बाद कहा था, 'मुझे पता है कि अगर हम इस टेस्ट मैच को जीत नहीं पाते तो कितनी आलोचना होती। मैं अब अपने ब्वॉयस के साथ अच्छे से बीयर पीना चाहता हूं।'

फीफा वर्ल्ड कप में दिखेगा भारतीय मूल के 4 खिलाड़ियों का रहेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026: भारतीय फुटबॉल फैंस वर्षों से अपनी नेशनल टीम के फुटबॉल वर्ल्ड कप में खेलने का सपना देख रहे हैं. हालांकि उनका या सपना कब पूरा होगा इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन बतौर खिलाड़ी भारतीय फैंस का ये सपना पूरा होने वाला है. क्योंकि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में चार भारतीय मूल के खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। ये चारों खिलाड़ी भले ही अपने-अपने देश - न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कतर और डीआर कांगो के लिए खेलेंगे, लेकिन साथ ही वो भारतीय विरासत की झलक भी दिखाएंगे. यह चार खिलाड़ी - सरप्रीत सिंह, सैमुअल मौतौसामी, निशान वेलुपिल्ले और तहसीन मोहम्मद हैं. आइए इन चार खिलाड़ियों पर एक नजर डालते हैं।

तहसीन मोहम्मद जमशेद (कतर) - 19 साल के तहसीन मोहम्मद का जन्म कतर की राजधानी दोहा में हुआ. हालांकि उनके माता-पिता केरल के कन्नूर से हैं. जो 2006 में कन्नूर से कतर चले गए थे. खास बात यह है कि जमशेद फीफा वर्ल्ड कप में खेलने वाले पहले भारतीय पासपोर्ट धारक हैं. उनके पास भारतीय पासपोर्ट और कतर का खास 'मिशन पासपोर्ट' दोनों हैं।तहसीन के पिता जमशेद कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी थे. तहसीन ने दोहा स्थित एस्पायर अकादमी में अपने फुटबॉल कौशल को निखारा और कतर स्टार्स लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने. अभी वह अल दुहैल एससी के लिए खेलते हैं। विंगर तहसीन ने फीफा विश्व कप के एशियाई क्वालीफायर ग्रुप मैच के दौरान 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया. उन्होंने जिम्बाब्वे (2025) और आयरलैंड (2026) के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में भी हिस्सा लिया है. लेकिन उन्होंने अभी तक कोई गोल नहीं किया है।

श्रेयस अय्यर नहीं खेले, इशान की पारी से मुंबई फाल्कन्स को मिली जीत

वैभव का साधारण प्रदर्शन, मिला एक विकेट

नई दिल्ली। टी20 मुंबई 2026 का 19वां लीग मैच सोबो मुंबई फाल्कन्स और नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में मुंबई फाल्कन्स को इशान मूलचंदानी की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर 7 विकेट से जीत मिली। इस जीत के साथ इस टीम के कुल 6 अंक हो गए, लेकिन ये टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई। यही नहीं इस मुकाबले में श्रेयस अय्यर मुंबई फाल्कन्स के लिए मैदान पर नहीं उतरे। सोबो मुंबई फाल्कन्स और नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के बीच हुए मैच में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया और फिर ये टीम 19.2 ओवर 157 रन बनाकर आउट हो गई। मुंबई फाल्कन्स को जीत के लिए 158 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 18.1 ओवर में 3 विकेट पर 158 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई फाल्कन्स के लिए मयूरेश टंडेल ने 4 विकेट लिए थे और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

इशान मूलचंदानी ने खेली 65 रन की पारी

इशान ने अपनी टीम यानी मुंबई फाल्कन्स के लिए शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और 45 गेंदों पर 65 रन ठोके। इस दौरान उन्होंने 5 छक्के और 2 चौके भी लगाए और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

गौतम भरत वाघेला ने भी कमाल की पारी खेली और 30 गेंदों पर 45 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर ही पवेलियन वापस लौटे। नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के लिए वैभव माली ने 4 ओवर में 30 रन देकर एक विकेट लिए जबकि राहुल और प्रतीक को भी एक-एक विकेट मिले।

मयूरेश टंडेल ने झटके 4 विकेट

इस मुकाबले में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के खिलाफ सोबो मुंबई फाल्कन्स के बॉलर मयूरेश टंडेल ने 4 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए। नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के लिए अभिज्ञान कुंडू ने 21 गेंदों पर 45 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। इसके अलावा अनीस चौधरी ने 23 गेदों पर 32 रन बनाए जबकि कप्तान हार्दिक तामोरे नहीं चल पाए और ओपन करते हुए 4 गेंदों पर एक बनाकर चलते बने। सिद्धार्थ आकरे ने 16 रन जबकि आर्यराज संजय निकम के बल्ले से 17 रन निकले।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेल: alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670